शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 14 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नेताजी का अपमान करने वाले अनंत पर एक्शन, सरकार ने वापस लिया... पेज 2

लोस उप-चुनाव जीतने के लिए अजमल के चरणों में कांग्रेस : प्रदेश भाजपा पेज 3

राजस्थान कैबिनेट के बड़े फैसले : पेड़ काटने से लेकर शादी, विरासत और... पेज 5

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 17 अगस्त से, आईओए ने दुनिया भर के... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दूध के लिए हथिनी पालने की जरुरत नहीं होती अर्थात आवश्यकता के अनुसार साधन जुटाने चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

असम-अरुणाचल सीमा पर तनाव

प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प, सुरक्षा बलों पर की पत्थरबाजी, पुलिस ने की हवाई फायरिंग

धेमाजी (हि.स. /एजे.)। असम-अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाके में गुरुवार को शिलापाथर-लीकाबली हाईवे पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना के बाद चल रही आर्थिक नाकेबंदी आज पत्थरबाजी में बदल गई, जिसमें दोनों तरफ से प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और सीआरपीएफ जवानों पर हमला किया। उधर अरुणाचल प्रदेश पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवा में गोली चलानी पड़ी। असम के धेमाजी और अरुणाचल प्रदेश के लोअर सियांग के कुछ हिस्सों में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, जहां सीमा पर हुई गोलीबारी की हालिया घटना ने मिसिंग और गालो समुदायों के लोगों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। असम के जनजातीय मामलों के मंत्री रानोज पेगु और सीमा सुरक्षा एवं विकास मंत्री अतुल बोरा ने गुरुवार को इस घटना के संबंध में तकम मिसिंग पोरिन केबांग (टीएमपीके) और ऑल मिसिंग स्टूडेंट्स यूनियन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह बैठक धेमाजी के मिंगमांग इलाके में हुई गोलीबारी के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव के बीच आयोजित की गई, जिसमें असम के कई लोग घायल हो गए थे। पेगु ने कहा कि असम सरकार सीमा मुद्दे पर दोनों राज्यों के बीच होने वाली चर्चा के दौरान अरुणाचल प्रदेश के साथ इस घटना का मुद्दा उठाएगी। उन्होंने कहा कि असम इस मामले की जांच और गोलीबारी में कथित रूप से शामिल व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई में अरुणाचल प्रदेश सरकार से सहयोग मांगेगा। पेगु ने कहा कि यह घटना असम में घटी, जबकि कथित तौर पर गोली चलाने वाला व्यक्ति अरुणाचल प्रदेश का है। हम अरुणाचल सरकार से मांग करेंगे कि वह असम पुलिस के साथ सहयोग करे और आरोपी को असम पुलिस के हवाले करे। मंत्री ने प्रभावित समुदाय के प्रतिनिधियों को यह भी आश्वासन दिया कि असम सरकार इस घटना में घायल हुए लोगों के चिकित्सा खर्च वहन करेगी। पेगु ने संगठनों से नाकाबंदी वापस लेने की अपील करते हुए कहा कि इस मुद्दे को दोनों सरकारों के बीच बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा विवाद के बीच राज्य के सांसदों से मिले किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (हि.स.)। असम और अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को दोनों राज्यों के सांसदों ने केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। जिसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर शांति और आपसी सद्भाव बनाए रखना था। किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच का रिश्ता बहुत गहरा है, जो कई पीढ़ियों से भाईचारे, स्नेह और आपसी सम्मान पर टिका है। बातचीत के जरिए हम अपने मतभेदों को सुलझा रहे हैं और भले ही हर मुद्दे का समाधान न निकले, हम इस रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे। शायद हमारी सीमाएं अलग-अलग हों लेकिन हमारे दिल एक हैं। उल्लेखनीय है कि असम-अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाके में गुरुवार को शिलापाथर-लीकाबली हाईवे पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर हाल ही -शेष पृष्ठ दो पर

असम और अरुणाचल का संबंध सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम और अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाके में असम के धेमाजी जिलांतर्गत गोगामुख क्षेत्र में हाल के दिनों हुई गोलीबारी की घटना के बाद दोनों राज्यों के लोगों के बीच भारी तनाव देखा जा रहा है। असम के लोगों द्वारा इस घटना को लेकर भारी विरोध प्रदर्शन करते हुए गोलीबारी करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। इस घटना में लगभग 11 लोगों के घायल होने का दावा किया जा रहा है। इस घटना को लेकर दोनों राज्य सरकारों के शीर्ष नेतृत्वों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी लगातार एक-दूसरे के संपर्क में रहते हुए हालात को नियंत्रित करने में जुटे -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा संघर्ष पर डॉ. शर्मा के टिप्पणियों का खांडू ने किया स्वागत

इटानगर। अंतर्राज्यीय सीमा पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद, मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश और असम के लोगों से सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने की अपील की और अपने असम समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा के *सकारात्मक और आश्वस्त करने वाले* बयान का स्वागत किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, खांडू ने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश *इतिहास, मित्रता और भाईचारे के गहरे बंधन* को साझा करते हैं और इस -शेष पृष्ठ दो पर

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। नई दिल्ली, 13 अगस्त (हि.स.)। भारी हंगामे और गतिरोध के बीच संसद के दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया। भारी हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। आज मानसून सत्र का आखिरी दिन था। आमतौर पर सदन की कार्यवाही शाम तक चलती है लेकिन आज लगभग 11 बजकर 5 मिनट पर कार्यवाही स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी पहुंचे। 20 जुलाई के बाद पहली बार अमित शाह सदन में नजर आए। वहीं, राज्यसभा में मानसून सत्र के आखिरी दिन *खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026* पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए कथित शुद्धिकरण कार्यक्रम का मुद्दा उठाया। इसके तत्काल बाद राज्यसभा की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

नांदेड में सुखबीर सिंह बादल पर जानलेवा हमला

नांदेड (हि.स.)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर आज, गुरुवार को महाराष्ट्र के नांदेड में हमला किया गया। यह घटना ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हमले में सुखबीर सिंह बादल के हाथ में चोट लगी है। उन्हें उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के समय उनके परिवार के सदस्य भी साथ थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार सुखबीर सिंह बादल गुरुद्वारा साहिब में प्रवेश करने के लिए वाहन से उतर रहे थे, तभी एक व्यक्ति ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बादल की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित करते हुए हमलावर को हिरासत में ले लिया। इसके बाद सुखबीर सिंह बादल को उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। हमले के पीछे का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। आरोपित -शेष पृष्ठ दो पर

सीजेआई के अपमान पर बार काउंसिल का एक्शन

एनएएलएसएआर 2026 का कोई भी ग्रेजुएट नहीं बनेगा वकील

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने सभी राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया है कि वे एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के 2026 बैच के किसी भी लॉ ग्रेजुएट का वकील के तौर पर एनरोलमेंट (पंजीकरण) अगले आदेश तक रोक दें। बार काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से यह कदम यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में चीफ जस्टिस (सीजेआई) की भागीदारी के खिलाफ कथित तौर पर चलाए गए एक संगठित अभियान के बाद उठाया गया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने यह आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि काउंसिल ने एनएएलएसएआर के दीक्षांत समारोह को लेकर चलाए गए संगठित अभियान के बारे में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिपोर्टों और जानकारियों का संज्ञान लिया है। बार काउंसिल ने यूनिवर्सिटी से तीन दिनों के भीतर तथ्यों पर आधारित एक प्रमाणित रिपोर्ट भी मांगी है और कहा है कि वाइस-चांसलर द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में उग्रवादी कैडर समेत कई गिरफ्तार, ड्रग्स और विस्फोटक बरामद

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा चलाए गए विभिन्न अभियानों में कथित जबरन वसूली में शामिल उग्रवादी कैडरों और ड्रग्स तस्करों समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियानों के दौरान बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई। 12 अगस्त को विशेष सूचना के आधार पर थौबल सीडीओ की टीम ने खोंगजोम थाना क्षेत्र के सपाम इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान केवाईकेएल के कथित सक्रिय कैडर और जबरन वसूली में शामिल 41 वर्षीय चोंगथाम -शेष पृष्ठ दो पर

संसद के मानसून सत्र में सरकार के कई विधेयक रोकने को जीत बताते हुए कांग्रेस ने कहा, बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी एकता और दबाव के कारण सरकार के कई महत्वपूर्ण विधेयकों को आगे नहीं बढ़ा पाने को अपनी बड़ी उपलब्धि बताया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि *एक देश, एक चुनाव* विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक और 130वां संविधान संशोधन विधेयक इस सत्र में नहीं आ सके, जबकि एफसीआरए संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया। हालांकि, उन्होंने खान और खनिज तथा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से जुड़े संशोधन विधेयकों के बिना चर्चा पारित होने पर चिंता जताई। जयराम रमेश ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि साल 2026 का -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी के अहंकार के कारण मानसून सत्र हुआ प्रभावित : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि संसद का मानसून सत्र कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अहंकार और अनुशासनहीनता की भेंट चढ़ गया। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि लोकतंत्र किसी व्यक्ति के अहंकार, विशेषाधिकार की भावना या दबाव में नहीं चलता और संसद भी इसी सिद्धांत पर संचालित होती है। रविशंकर प्रसाद ने पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने नीट परीक्षा में गड़बड़ियों को रोकने के लिए कड़ा कानून बनाया, फास्ट-ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की और पेपर लीक सिंडिकेट के खिलाफ सख्त कार्रवाई -शेष पृष्ठ दो पर

रास में *शुद्धिकरण* विवाद

मामले की होगी जांच दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष के संबोधन के बाद कथित *शुद्धिकरण* किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसे छुआछूत की घटना बताते हुए दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। खरगे ने कहा कि 8 अगस्त को उनकी रैली के बाद मैदान का शुद्धिकरण कराया गया, जो छुआछूत जैसी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना में भाजपा की भूमिका है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने कहा कि भाजपा ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन -शेष पृष्ठ दो पर

संसद के मानसून सत्र में 12 विधेयक पारित

चर्चा की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं : संसदीय कार्यमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र भले गतिरोध के चलते हंगामे की भेंट चढ़ गया लेकिन सरकार 12 विधेयक पारित कराने में सफल रही। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि संसद के मानसून सत्र के दौरान कुल 12 विधेयक पारित हुए लेकिन विपक्ष के लगातार विरोध और व्यवधान की वजह से इन पर चर्चा की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं रही। उन्होंने बताया कि लोकसभा में 11 विधेयक और राज्यसभा में 2 विधेयक पेश किए गए। वहीं, लोकसभा ने 12 विधेयक पारित किए तथा राज्यसभा ने भी 12 विधेयक पारित किए या लौटाए। रिजिजू ने दावा किया कि सरकार सदन में चर्चा के लिए तैयार थी और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहती थी लेकिन विपक्ष ने चर्चा से बचने का -शेष पृष्ठ दो पर

चमोली में बड़ा हादसा, निर्माणाधीन टनल में हुआ भूस्खलन, कई मजदूर अंदर फंसे, तीन की मौत

गोपेश्वर (चमोली)। उत्तराखंड के चमोली जिले में देर शाम बड़ा हादसा हो गया। अलकनंदा नदी पर निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीआरटी (टेल रेस टनल) में गुरुवार शाम सरिया वेल्डिंग के दौरान भारी भूस्खलन होने से कई मजदूर घायल हो गए। बताया जा रहा है कि तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हादसा शाम करीब छह बजकर 10 मिनट पर हुआ। जिस स्थान पर मजदूर काम कर रहे थे, वहां से करीब 150 मीटर दूर हुए भूस्खलन के बाद पानी के साथ पत्थर और मलबा टनल के अंदर घुस गया, जिसकी चपेट में कई मजदूर आ गए। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना और अन्य संबंधित टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। रात करीब नौ बजे तक 13 मजदूरों को घायल अवस्था में टनल से बाहर निकालकर जिला अस्पताल गोपेश्वर पहुंचाया गया। कुछ मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका है। बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और रेस्क्यू टीमों से स्थिति की जानकारी लेकर बचाव अभियान पूरी तत्परता और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

हर घर तिरंगा अभियान में जनभागीदारी का राज्यपाल ने किया आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को लोगों से *हर घर तिरंगा* अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने और अपने घरों, संस्थानों तथा प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। गुवाहाटी में आयोजित एक जनसभा और सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि तिरंगा देश के गौरव, सम्मान, एकता और संप्रभुता का प्रतीक है। उन्होंने *हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा और हर मन तिरंगा* के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने हालिया असम बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और राहत कार्यों में सहयोग के लिए केंद्र व राज्य सरकारों, संगठनों तथा देशभर के लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर घर और हर दिल में ऊंचा उठना चाहिए तथा इसके मूल्यों से नागरिकों में साहस, एकता, अनुशासन और कर्तव्य भावना मजबूत होनी चाहिए।

नेताजी का अपमान करने वाले अनंत पर एक्शन, सरकार ने वापस लिया बंग-विभूषण

कोलकाता (हिंस)। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी भाजपा सांसद नगेंद्र राय उर्फ अनंत महाराज को भारी पड़ गई है। पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रदान किया गया राज्य का प्रतिष्ठित *बंग विभूषण* सम्मान तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। गुरुवार को नवान्न की ओर से जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया कि अब अनंत महाराज स्वयं को बंग विभूषण सम्मान प्राप्तकर्ता के तौर पर पेश नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही सभी ऑफिशियल रिकॉर्ड से उनके नाम के साथ लगा बंग विभूषण शब्द वापस लेने को कहा गया है। राज्य सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब नेताजी को लेकर अनंत महाराज की हालिया टिप्पणियों ने राजनीतिक विवाद को तेज कर दिया था। अनंत महाराज ने भारत की स्वतंत्रता में नेताजी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा था कि देश की आजादी में उनका कोई योगदान नहीं था। उन्होंने आजाद हिंद फौज के भी दुरुपयोग का आरोप लगाया था। इन टिप्पणियों के बाद राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रिया शुरू हो गई। वहीं, एक दिन पूर्व बुधवार को राज्य सचिवालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट कर दिया था कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नवान्न की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अनंत महाराज को 21 फरवरी को राज्य और राज्यवासियों के प्रति उनके विशिष्ट योगदान के सम्मान में बंग विभूषण प्रदान किया गया था। उस समय राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी थीं। हालांकि, अब सरकार के संज्ञान में कुछ ऐसे मामले आए जिन्हें गंभीर माना गया है। सरकार ने उपलब्ध तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि अनंत महाराज के पास यह सम्मान बने रहना बंग विभूषण की गरिमा और प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं है। इसके बाद सम्मान को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का फैसला किया गया। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के उस बयान के ठीक अगले दिन हुई है, जिसमें उन्होंने नेताजी के सम्मान को लेकर सरकार की नीति स्पष्ट की थी। बुधवार को नवान्न में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा था कि नेताजी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि कार्रवाई करते समय राजनीतिक पहचान को आधार नहीं बनाया जाएगा और कानून सभी के लिए समान रूप से लागू होगा। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस और साइबर प्रकोष्ठ ने सोशल मीडिया पर नेताजी को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों और पोस्ट की पहचान शुरू कर दी।

असम में बाढ़ से 433 गांवों के 86832 नागरिक अभी भी प्रभावित, दो और शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। असम में बाढ़ से 433 गांवों के 86832 नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। इस दौरान 2 और शव बरामद हुए हैं। राज्य में नदियों का जलस्तर लगभग सामान्य स्थिति में पहुंच गया है। हालांकि, धनसिरी नदी (नुमलीगढ़) में अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रभावित लोग राहत शिविरों से अपने घरों की ओर लौटने लगे हैं। क्षतिग्रस्त घर और बचे हुए घरों में दो से तीन फुट मिट्टी भरी होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावितों की मदद के लिए, विभिन्न संगठनों ने हाथ आगे बढ़ाया है। सरकार भी आवश्यक इंतजाम कर रहीहै। स्थिति पूरी तरह सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 12 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी नुमलीगढ़ में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। बुधवार को शिवसागर जिले में 1 और कार्बी आंग्लांग जिले में 1 शव बरामद हुआ है। मृतकों का आंकड़ा 104 हो गया है। सात जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रभावित बाढ़ग्रस्त जिलों में गोलाघाट, होजाई, शिवसागर, नगांव, जोरहाट, कार्बी आंग्लांग हैं। बाढ़ से इन जिलों के 24 राजस्व मंडलों के कुल 433 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 86832 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 10884.27 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

सीमा पार से मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो बड़े नेटवर्कों का पर्दाफाश

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो बड़े नेटवर्कों का पर्दाफाश करके पांच व्यक्तियों को सात अवैध पिस्तौल और 2.030 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि परगट सिंह उर्फ पग्गा (30) और जनबर सिंह (20) दोनों निवासी गांव डल्ल, तरन तारन; बलविंदर सिंह उर्फ बिल्ला (30) निवासी गांव डोके, अमृतसर देहाती, अमनदीप सिंह उर्फ अमन (37) निवासी सरवरपुरा, अमृतसर और बलविंदर सिंह उर्फ काला (42) निवासी कोट आत्मा राम, अमृतसर को गिरफ्तार किया गया है। इनसे चार .30 बोर (मेड इन चाइना) और तीन 9एमएम (मेड इन ऑस्ट्रिया) पिस्तौलें बरामद की गई हैं। इसके अलावा पुलिस टीमों ने आपराधिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की जा रही दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं। डीजीपी यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि शस्त्र अधिनियम के मामले में पकड़े गए आरोपी विदेश में बैठे तस्करों के संपर्क में थे, जो अवैध हथियार प्राप्त करके उन्हें आगे अमृतसर एवं तरन तारन क्षेत्र मं सप्लाई करते थे। डीजीपी ने कहा कि आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने, विदेशी तस्करों से संबंधों की जांच-पड़ताल और व्यापक सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है।

न्यायालय के आदेश पर भाजपा जिलाध्यक्ष समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद मऊ के हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव निवासी अजीत सिंह की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर न्यायालय के आदेश के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष रामाश्रय मौर्य समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। न्यायालय ने 12 अगस्त 2026 को थानाध्यक्ष हलधरपुर को अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मामला मारपीट, गाली-गलौज, कपड़े फाड़ने और जान से मरवाने की धमकी के आरोपों से जुड़ा है। न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, अजीत सिंह और रामाश्रय मौर्य के बीच प्रधानी चुनाव को लेकर पुरानी रंजिश चल रही है। अजीत सिंह का कहना है कि वह और उनके परिवार के लोग मसाला कुटीर उद्योग चलाते हैं। आरोप है कि रामाश्रय मौर्य लगातार उनके उद्योग के खिलाफ शिकायत कर जांच कराते रहे हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक जांच में उनके उद्योग में कोई कमी नहीं पाई गई। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि 7 जुलाई 2026 की सुबह करीब सात बजे रामाश्रय मौर्य तीन अन्य लोगों के साथ बाजार जाते समय अजीत सिंह के घर के सामने रुके। उद्योग के खिलाफ शिकायत किए जाने को लेकर अजीत सिंह द्वारा सवाल करने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि रामाश्रय मौर्य ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें मारने के लिए दौड़ा लिया। अजीत सिंह के घर के अंदर चले जाने के बाद आरोपी कथित तौर पर घर में घुस गए और उनके साथ मुक्का-थप्पड़ से मारपीट की तथा उनकी शर्ट फाड़ दी। शिकायत के मुताबिक, घटना के दौरान खुश्बू सिंह पत्नी अजय सिंह, इन्द्र कुमार सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह तथा अर्जुन सिंह पुत्र दुर्गविजय सिंह मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। आरोप है कि जाते समय रामाश्रय मौर्य ने अजीत सिंह और उनके परिवार को जान से मरवाने तथा फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। अजीत सिंह का आरोप है कि घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक को रजिस्ट्री के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन वहां से भी कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली।

पृष्ठ एक का शेष

प्रदर्शनकारियों के बीच ...

उन्होंने कहा कि हमने संगठनों से आर्थिक नाकाबंदी वापस लेने की अपील की है। दोनों सरकारें प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने के लिए मिलकर काम करेंगी। इस बीच, बोरा ने अंतर्राज्यीय सीमा पर बार-बार होने वाले तनाव को लेकर मिसिंग समूहों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर चर्चा की। संगठनों ने ऐसी घटनाओं को रोकने और सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने पर जोर दिया। मंत्रियों ने कहा कि गोलीबारी की हालिया घटना को अरुणाचल प्रदेश के साथ उठाया जाएगा और इसे व्यापक सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयासों को पटरी से उतारने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि, 10 अगस्त को धेमाजी के गेरुकामुख पुलिस स्टेशन के अंतर्गत गोगामुख रेवेन्यू सर्कल में असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर स्थित मिंगमांग बस्ती में गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें लगभग 11 लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि यह घटना अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम की जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। इस घटना के बाद, टाकम मिसिंग पोरिन केबांग (टीएमपीके) ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश की अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी शुरू कर दी, जिससे कई जगहों पर असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया। शिलापाथर-लीकाबली रूट पर जारी नाकेबंदी ने इलाके में तनाव और बढ़ा दिया है। ताजा घटनाक्रम में, प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पत्थरबाजी की, जिसमें पुलिस और सीआरपीएफ समेत सुरक्षाकर्मी दोनों तरफ से फेंके गए पत्थरों की चपेट में आ गए। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों और निवासियों से शांति और सद्भाव बनाए रखने और ऐसा कोई भी कदम न उठाने की अपील की है जिससे दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच तनाव और बढ़ सके। टीएमपीके ने मिसिंग मिमाग केबांग (एमएमके) और टाकम मिसिंग महिला केबांग (टीएमएमके) के साथ मिलकर गोलीबारी के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी और उन्हें असम पुलिस को सौंपने की मांग की है। इन संगठनों ने असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा विवाद के जल्द समाधान और असम के इलाके में कथित कब्जे को खत्म करने की भी मांग की है। रिपोर्टों के अनुसार, नाकेबंदी के तहत अरुणाचल प्रदेश के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली गाड़ियों को कई एंट्री पॉइंट्स पर रोका गया है। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच 804.1 किलोमीटर लंबी अंतर-राज्यीय सीमा है, और सीमा पर कई विवादित जगहें हैं। दोनों सरकारें क्षेत्रीय समितियों और नामसाई घोषणा के जरिए समाधान खोजने की कोशिश कर रही हैं। हालात के संवेदनशील बने रहने के कारण, अधिकारी प्रभावित इलाकों पर कड़ी नजर रख रहे हैं और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील कर रहे हैं ताकि स्थिति और न बिगड़े और अंतर-राज्यीय सीमा पर शांति बनी रहे।

सीमा विवाद के बीच...

में हुई गोलीबारी की घटना के बाद चल रही आर्थिक नाकेबंदी आज पत्थरबाजी में बदल गई, जिसमें दोनों तरफ से प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और सीआरपीएफ जवानों पर हमला किया। इस घटना की शुरूआत 10 अगस्त को धेमाजी के गेरुकामुख पुलिस स्टेशन के अंतर्गत गोगामुख रेवेन्यू सर्कल में असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर स्थित मिंगमांग बस्ती में गोलीबारी से हुई, जिसमें लगभग 11 लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि यह घटना अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम की जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद के बाद हुई।

असम और अरुणाचल का ...

हुए हैं। इस संबंध में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की ओर से भी लगातार सार्वजनिक रूप से संदेश जारी कर लोगों से शांति बनाए रखने का आह्वान किया जा रहा है। इस कड़ी में गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच का संबंध सिर्फ सीमा तक ही सीमित नहीं है। पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारे दोनों राज्यों के लोग भाइयों-बहनों की तरह प्यार, अपनापन और पारस्परिक सम्मान के साथ एक साथ रहते आए हैं। हाल के वर्षों में हम बातचीत और दोस्ती के माध्यम से हमारी सीमा से जुड़ी अधिकांश समस्याओं को हल करने में सक्षम रहे हैं। अब केवल 52 गांवों का मसला बाकी है। दोनों सरकारें समान दोस्ताना और सौहार्दपूर्ण दृष्टिकोण के साथ बातचीत जारी रखेंगी और इस विवाद को पूरी तरह सुलझाने के लिए काम करेंगी। सीमा सिर्फ दो राज्यों की भौगोलिक स्थिति तय करती है, पड़ोसियों के दिलों के संबंधों पर इसका कोई असर नहीं पड़ता। इसलिए असम और अरुणाचल के आम लोगों से हम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहन-सहन बनाए रखने की सच्ची अपील करते हैं।

सीमा संघर्ष पर डॉ. शर्मा ...

बात पर जोर दिया कि दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच मतभेदों को हमेशा संवाद, आपसी समझ और शांतिपूर्ण तरीकों से हल किया जाना चाहिए। खांडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि माननीय असम के मुख्यमंत्री के सकारात्मक और आश्वस्त करने वाले बयान का मैं तहे दिल से स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच इतिहास, मित्रता और भाईचारे का गहरा बंधन है। हमारे मतभेदों का समाधान हमेशा संवाद, आपसी समझ और शांतिपूर्ण तरीकों से ही होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सीमा के दोनों ओर के लोगों से अपील की कि वे हाल के घटनाक्रमों को दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को प्रभावित न करने दें। उन्होंने कहा कि मैं असम और अरुणाचल प्रदेश दोनों राज्यों की जनता से शांति, सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने की अपील करता हूं। हमें अपने मतभेदों को उन मजबूत बंधनों पर हावी नहीं होने देना चाहिए जो हमारे लोगों को एकजुट करते हैं। खांडू ने आगे कहा कि हमें अपने मतभेदों को उन मजबूत बंधनों पर हावी नहीं होने देना चाहिए जो हमारे लोगों को एकजुट करते हैं। यह बयान असम-अरुणाचल सीमा पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद दोनों राज्य सरकारों द्वारा तनाव कम करने के प्रयासों के बीच आया है, जिसमें असम के कई लोग घायल हो गए थे। यह घटना अंतर्राज्यीय सीमा से सटे मिंगमांग के बोदोटी इलाके में घटी, जिसमें घायलों की संख्या 11 बताई गई है। इसके बाद दोनों राज्य प्रशासनों ने स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। इस घटना के बाद बुधवार को असम के मिसिंग समुदाय के एक प्रमुख छात्र संगठन, ताकाम मिसिंग पोरिन केबांग (टीएमपीके) द्वारा अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकाबंदी शुरू कर दी गई। संगठन ने गोलीबारी में कथित रूप से शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और उनकी गिरफ्तारी की अपील की। इस नाकाबंदी से दोनों राज्यों के बीच सड़क संपर्क और माल की आवाजाही प्रभावित हुई। गुरुवार को स्थिति और भी बिगड़ गई जब लोअर सियांग जिले के लिकाबली इलाके में नए सिरे से तनाव की खबरें आईं और दोनों पक्षों के प्रदर्शनकारी आमने-सामने आ गए। खबरों के अनुसार, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं।

नांदेड में सुखबीर सिंह ...

की पहचान और उसने किस उद्देश्य से हमला किया, इसकी पुलिस जांच कर रही है। हमले का पूरा घटनाक्रम जानने के लिए पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूछताछ जारी है। घटना के बाद गुरुद्वारा परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और स्थिति का जायजा ले रहे हैं। सुखबीर सिंह बादल की चोट की गंभीरता और उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में डॉक्टरों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने आना बाकी है। इससे पूर्व 4 दिसंबर 2024 को अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब के बाहर भी सुखबीर सिंह बादल पर जानलेवा हमला किया गया था। उस समय अकाल तख्त साहिब द्वारा सुनाई गई धार्मिक सजा के तहत वह सेवादार के रूप में सेवा कर रहे थे। बादल व्हीलचेयर पर बैठकर हाथ में भाला लेकर पहरा दे रहे थे, तभी नारायण सिंह चौरा नाम के एक व्यक्ति ने उन पर गोली चलाने का प्रयास किया था। हालांकि, बादल इस हमले में बाल-बाल बच गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को तुरंत हिरासत में ले लिया था। अमृतसर की घटना के समय सुखबीर सिंह बादल वर्ष 2007 से 2017 के बीच अकाली दल सरकार के कार्यकाल में हुई गलतियों का प्रायश्चित करने के लिए अकाल तख्त साहिब द्वारा सुनाई गई धार्मिक सजा के तहत सेवा कर रहे थे। उन्होंने श्री हरमंदिर साहिब के बाहर सेवादार के रूप में सेवा की थी। गोली चलाने के प्रयास के बावजूद उन्होंने अपनी धार्मिक सेवा जारी रखी और बाद में अन्य गुरुद्वारों में भी सेवा पूरी की। नांदेड मे हुई हमले की ताजा घटना के बाद सुखबीर सिंह बादल की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। धार्मिक स्थल के बाहर उन पर दोबारा हमले की घटना सामने आने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। फिलहाल, पुलिस जांच और अस्पताल से मिलने वाली मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही इस हमले की वास्तविक प्रकृति और पृष्ठभूमि स्पष्ट होने की संभावना है।

एनएएलएसएआर 2026 का ...

बाद 19 अगस्त को इस मामले पर विचार किया जाएगा। बार काउंसिल ने एनएएलएसएआर से कहा है कि वह जल्द से जल्द उन लोगों की पहचान करे, जिन्होंने इस अभियान को शुरू किया। बार काउंसिल ने ऐसे नाम स्पष्ट तौर पर मांगें हैं, जिन्होंने इस अभियान का ड्राफ्ट तैयार करने, उसे फैलाने, उसका समन्वय करने या लोगों को एकजुट करने में भूमिका निभाई। काउंसिल ने उन लोगों के बारे में भी जानकारी मांगी है जो बैठकें आयोजित करने, मीडिया से बातचीत करने, सोशल मीडिया या समन्वय के लिए इस्तेमाल किए गए संगठित समूहों को संभालने, या सीजेआई से जुड़े किसी भी कार्यक्रम या दीक्षांत समारोह के बहिष्कार, उसमें बाधा डालने, उसे बाधित करने या उसमें संगठित रूप से शामिल न होने का प्रस्ताव या आह्वान करने में शामिल थे। बार काउंसिल ने इस बारे में भी जानकारी मांगी है कि क्या इस कैंपेन को शुरू करने, मंजूरी देने, कोऑर्डिनेट करने या फैलाने में किसी स्टूडेंट बॉडी, स्टूडेंट बार काउंसिल, स्टूडेंट्स यूनियन या किसी दूसरे मान्यता प्राप्त स्टूडेंट संगठन का हाथ था या नहीं। बार काउंसिल ने यूनिवर्सिटी से यह भी बताने को कहा है कि क्या इस कैंपेन को शुरू करने, ड्राफ्ट तैयार करने, कोऑर्डिनेट करने, सलाह देने या इसे आगे बढ़ाने में किसी फैकल्टी मेंबर, रिसर्च स्कॉलर, पूर्व छात्र या बाहरी व्यक्ति ने हिस्सा लिया था। बार काउंसिल ने इन सभी बातों के बारे में जानकारी देने के लिए एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ को 19 अगस्त तक का समय दिया है। 19 अगस्त को एनएएलएसएआर की रिपोर्ट पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया विचार करेगा।

मणिपुर में उग्रवादी कैडर ...

प्रेमचंद सिंह को गिरफ्तार किया गया। एक अन्य कार्रवाई में पुलिस की टीम ने इंफाल ईस्ट जिले के खाबाम लामखाई से लैरौचिंग, सेनापति करोंग निवासी 26 वर्षीय लक्ष्मण रसाइली को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से कोडीन युक्त कफ सिरप की 1,908 बोतलें और एनएल 01एजी 0746 नंबर का टाटा ट्रक बरामद किया गया। थाना की एक अन्य टीम ने इंफाल ईस्ट जिले के कीराओ माकटिंग अवांग लीकाई निवासी 44 वर्षीय अहमद हुसैन को इरिलबुंग इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से 45 ग्राम संदिग्ध हेरोइन पाउडर बरामद हुआ। हियांगलम थाना क्षेत्र के काकचिंग जिले में हियांगलम बशिखोंग मरिल, खोईदुम्पत इलाके में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने करीब 1.5 किलो प्लास्टिक विस्फोटक, 14 डेटोनेटर और लगभग 12 इंच सेफ्टी फ्यूज बरामद किया। चुराचांदपुर जिले में पुलिस ने लोअर मिशन वेंग, हियांगतम लामका इलाके में एक वाहन को रोककर 43 वर्षीय थांगलामखुप मनलुन को गिरफ्तार किया। उसके पास से संदिग्ध ब्राउन शुगर से भरे 33 साबुन के डिब्बे बरामद हुए, जिनका कुल वजन 474 ग्राम था। मौके से एमएन06 एल 3170 नंबर की हुंडाई क्रेटा भी जब्त की गई। इंफाल ईस्ट में सीडीओ की टीम ने 2 जैक ली के समन्वय से कोंगबा लैरेनपत से 23 वर्षीय येन्सेम्बम अनाओ मैतेई को गिरफ्तार किया। उसे केसीपी(एमएफएल) का कथित सक्रिय कैडर और जबरन वसूली में शामिल बताया गया है। इससे पूर्व, हेइंगांग थाना और सीडीओ इंफाल ईस्ट की संयुक्त टीम ने मणिपुर के मंत्रीपुखरी बाजार में मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान मोहम्मद अकिलुर रहमान (28), अरिबाम इफ्तार (21) और एमडी इकबाल खान (44) को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से कोडीन आधारित प्रतिबंधित पदार्थ की 142 बोतलें तथा आई20 कार बरामद की गई। दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर चुराचांदपुर थाना पुलिस ने कांगवई इलाके से चोरी की गई काले रंग की हुंडई बरामद कर उसे दिल्ली पुलिस की उत्तम नगर थाना टीम को सौंप दिया। इसी दिन सीडीओ इंफाल ईस्ट ने महिला पुलिसकर्मियों और 28 असम राइफल्स के समन्वय से सेक्टा अवांग लीकाई से 27 वर्षीय ओइनाम (ओंगबी) टेंडेन देवी को कथित ड्रग्स तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। उसके पास से 22.75 किलोग्राम संदिग्ध गांजा और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

संसद के मानसून सत्र में ...

मानसून सत्र पूरी तरह ठप (वॉशआउट) रहा। उन्होंने इसकी तुलना 2015 के मानसून सत्र से करते हुए कहा कि उस समय व्यापम घोटाला प्रमुख मुद्दा था और इस बार नीट तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े मुद्दे रहे। उनके मुताबिक, 11 साल बाद भी छात्रों और युवाओं से जुड़े ऐसे मुद्दे संसद के सामने बने हुए हैं। रमेश ने कहा कि इस सत्र में विपक्षी दलों के बीच एकजुटता देखने को मिली। 18 दिनों तक विपक्ष के फ्लोर नेताओं की रोज बैठक हुई और हर दिन की रणनीति तय की गई। विपक्ष ने जिन मुद्दों को लेकर सरकार पर दबाव बनाया, उनमें से कई पर सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े या विधेयकों को आगे बढ़ाने में देरी हुई। उन्होंने कहा कि पहली बड़ी उपलब्धि एक देश, एक चुनाव विधेयक का इस सत्र में नहीं आना है। इस विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट अभी नहीं आई है और अब इसके शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। रमेश ने दूसरी उपलब्धि के तौर पर *विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक* को बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक विश्वविद्यालयों के कामकाज में अत्यधिक केंद्रीयकरण को बढ़ावा देता है। विधेयक से जुड़ी संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट भी इस सत्र में पेश नहीं हुई और इसे अगले सत्र तक टाल दिया गया। उन्होंने तीसरे मुद्दे के तौर पर 130वें संविधान संशोधन विधेयक को मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री की कथित *स्वचालित बर्खास्तगी* से जुड़ा विधेयक बताया।

चर्चा की गुणवत्ता ...

रास्ता अपनाया। लोकसभा की उत्पादकता 19 प्रतिशत और राज्यसभा की 39 प्रतिशत रही। लोकसभा बाधित रहा लेकिन राज्यसभा में कुछ विपक्षी पार्टियों के वॉकआउट के बावजूद कुछ विपक्षी सदस्यों ने बहस में हिस्सा लिया। सत्र में लोकसभा में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया। विपक्ष इस विधेयक को वापस लेने की मांग कर रहा था। इसके अलावा परीक्षा पत्र लीक के मामलों में कठोर दंडात्मक कार्रवाई वाला विधेयक लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया गया। इसी विधेयक पर लोकसभा में चर्चा हो पाई, बाकी सभी विधेयक बिना चर्चा के पारित किए गए। मानसून सत्र में वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान सम्मान देने वाला विधेयक राष्ट्र-गौरव अपमान-निवारण (संशोधन) विधेयक 2026; न्यायाधीशों की सुप्रीम कोर्ट में सख्या बढ़ाने वाले विधेयक उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 और केरल राज्य का नाम बदलकर केरलम किए जाने वाला विधेयक केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को संसद की मंजूरी मिली। अन्य पारित विधेयकों में जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026; उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026; विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2026; सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026; बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026; कराधान और अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026; राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026; अधिकरण सुधार विधेयक, 2026; खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 शामिल हैं। किरण रिजिजू ने कहा कि पहले विपक्ष बातचीत में शामिल होता था जबकि ये लोग विपक्ष में होने के बावजूद चर्चा से भागते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मानसून सत्र कामकाज की दृष्टि से अच्छा रहा लेकिन चर्चा की दृष्टि से अच्छा नहीं रहा। संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि संसद में केवल नारेबाजी और प्लेकार्ड लेकर विरोध करना संसदीय लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। रिजिजू ने विशेष तौर पर नए सांसदों को सार्थक बहस और चर्चा का अवसर नहीं मिलने पर चिंता जताई। उन्होंने उम्मीद जताई कि शीतकालीन सत्र में सभी दल आत्मचिंतन के साथ बेहतर सहयोग करेंगे और संसद में अधिक सार्थक एवं रचनात्मक चर्चा देखने को मिलेगी। उल्लेखनीय है कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। इस दौरान दोनों सदनों की 19 बैठकें हुईं।

चमोली में बड़ा हादसा...

समन्वय के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। टनल में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। टीआरटी यानी टेल रेस टनल जल विद्युत परियोजना की महत्वपूर्ण भूमिगत सुरंग होती है। टरबाइन से बिजली उत्पादन के बाद इस्तेमाल किए गए पानी को पावरहाउस से बाहर निकालकर मुख्य नदी में प्रवाहित करने का काम इसी सुरंग से किया जाता है। पीपलकोटी परियोजना में टीआरटी की लंबाई करीब ढाई किलोमीटर है। टीएचडीसी की इसी निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजना में पिछले साल 31 दिसंबर की देर रात सुरंग के अंदर दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं। हादसे में करीब 60 अधिकारी, कर्मचारी और मजदूर घायल हुए थे। हादसे के समय सुरंग में 100 से अधिक लोग काम कर रहे थे। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना के बाद सुरंग में लंबे समय तक निर्माण कार्य रोक दिया गया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली के पीपलकोटी स्थित टीएचडीसी टनल के भीतर मलबा व पानी आने की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल व राज्य आपदा प्रतिवादन बल की टीमों को तत्काल घटनास्थल पर भेज दिया गया है। जिला प्रशासन सहित सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को समन्वय के साथ त्वरित राहत एवं बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वे स्वयं वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हैं, स्थिति की पल-पल की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता टनल में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालना है और इस दिशा में सभी आवश्यक संसाधन लगाए गए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए व प्रभावित लोगों और उनके परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। घटना की गंभीरता को देखते हुए सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल के लिए रवाना हो चुकी हैं।

मामले की होगी जांच ...

नवीन इस मामले को गंभीरता से लेंगे। नड्डा ने कहा कि जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कांग्रेस से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि छुआछूत किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सभी इस घटना की निंदा करते हैं। हम सभी समान हैं और किसी के शुद्धिकरण की आवश्यकता नहीं है। सरकार इस मामले की जांच कराए और दोषियों को सजा मिले।

राहुल गांधी के अहंकार...

का प्रावधान किया। इसके अलावा, परीक्षा सुधारों के लिए नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी का गठन किया गया। दूसरी ओर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी बहन के साथ बिना अनुमति प्रधानमंत्री आवास के गेट पर बैठ गए, जबकि उन्हें प्रधानमंत्री आवास की सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी है। उन्होंने कहा कि गृह सचिव और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी से बातचीत और चर्चा की पेशकश की थी लेकिन उन्होंने चर्चा के बजाय इस्तीफे की मांग की। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि गृहमंत्री ने गोली चलाने का आदेश दिया तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और यदि आदेश नहीं दिया तो वे अयोग्य मंत्री हैं। उन्होंने इसे गैर-जिम्मेदाराना और तथ्यों से परे बताया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि कोई गोली नहीं चलाई गई थी। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष संसद में गृहमंत्री अमित शाह का वक्तव्य सुनता तो उसे अपने सभी सवालों के जवाब मिल जाते लेकिन विपक्ष ने सदन को चलने नहीं दिया।

धुबड़ी-गौरीपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी को मिली नई ऑफिस बिल्डिंग

धुबड़ी (हिंस)। असम के कैबिनेट मंत्री और धुबड़ी जिले के प्रभारी मंत्री अशोक सिंघल ने गुरुवार को जिले में कई सरकारी कार्यक्रमों के तहत धुबड़ी-गौरीपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी की नई बनी ऑफिस बिल्डिंग का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में कैबिनेट मंत्री अश्विनी राय सरकार के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रतिनिधि और समुदाय के लोग शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए सिंघल ने अवैध गतिविधियों और अवैध कब्जों के प्रति राज्य सरकार की *जीरो-टॉलरेंस* नीति को दोहराया। उन्होंने कहा कि भविष्य में जिले में कृत्रिम बाढ़ को रोकने के लिए, उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए ड्रेनेज और पानी की निकासी वाली जगहों से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे। सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में सरकार राज्य भर में प्रशासनिक कामकाज पर बारीकी से नजर रख रही है और पारदर्शिता, कानून-व्यवस्था तथा बेहतर गवर्नेंस पर जोर दे रही है। मंत्री के दौरे में धुबड़ी जिले में चल रहे विकास और प्रशासनिक कामों की समीक्षा भी शामिल थी।

लोस उप-चुनाव जीतने के लिए अजमल के चरणों में कांग्रेस : प्रदेश भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। विधानसभा चुनाव के समय बदरुद्दीन अजमल सांप्रदायिक थे, अब नगांव लोकसभा के उप-चुनाव से पहले अजमल सेकुलर हो गए हैं। चार महीने पहले अल्पसंख्यकों के लिए खतरनाक माना जाने वाला एआईयूडीएफ अब अचानक अल्पसंख्यक वोटों के फायदे के लिए कांग्रेस का दिली सहयोगी हो गया है। नगांव लोकसभा उप-चुनाव धीरे-धीरे नजदीक आ रहा है और अब मुसलमान वोट बैंक के एकीकरण के लिए कांग्रेस पार्टी बदरुद्दीन अजमल के चरणों में आ गई है। रिपुन बोरा, वाजेद अली चौधरी सहित कांग्रेस नेतृत्व टीम अब दिशा खो चुके एआईयूडीएफ को सारथी बनाकर चुनावी वैतरणी पार करना चाहती है। यही कांग्रेस का असली चरित्र है। मुसलमानों को संतुष्ट करने की राजनीति ने असमिया और भारतीय मूल के लोगों के मन से कांग्रेस को दूर कर दिया है। अब यह दल अल्पसंख्यक वोटों का भरोसा भी खो चुका है। इसलिए पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी, जितेंद्र सिंह समेत राष्ट्रीय

नेतृत्व और गौरव गोगोई, देवब्रत सैकिया, रकिबुल हुसैन, रिपुन बोरा समेत कांग्रेस के राज्य नेतृत्व को बार-बार साम्प्रदायिक और भाजपा की बी-टीम कहे जाने वाले एआईयूडीएफ के सामने अब आत्मसमर्पण करना पड़ा है। यह टिप्पणी आज असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने की। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रवक्ता मेधी ने और कहा कि असल में कांग्रेस और एआईयूडीएफ की दोस्ती पहले से ही बरकरार है। यह दोस्ती कभी गुप्त और कभी खुलकर होती है। कलियाबर से ऊपरी असम में जब भी कोई चुनाव आता है, तब उनकी दोस्ती गुप्त रहती है और मध्य-निचले असम में चुनाव होने पर उनकी दोस्ती खुलकर सामने आती है। कांग्रेस और एआईयूडीएफ दोनों ही दल केवल एक खास समुदाय की राजनीति करते हैं। मेधी ने कहा कि कांग्रेस ने एआईयूडीएफ के साथ नगांव लोकसभा उप-चुनाव में खुलकर दोस्ती करने के साथ ही, कांग्रेस के साथ बीते विधानसभा चुनाव में मित्रता करने वाले दलों की भूमिका क्या होगी यह भी गौरतलब होगा। भाजपा के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि ऊपरी असम के चार जिलों में आई विनाशकारी बाढ़ के समय प्रभावित लोगों ने कांग्रेस पार्टी को अपने पास नहीं पाया। बाढ़ प्रभावित इलाके में गौरव गोगोई का दौरा केवल प्रतीकात्मक था। उन्होंने बाढ़ के समय राजपुत्र की तरह प्रभावितों से केवल प्रतीकात्मक रूप से ही मुलाकात की। उनके लिए बाढ़ से परेशान लोग केवल वोटर मात्र हैं। विभिन्न दलों और संगठनों की सक्रियता के विपरीत कांग्रेस पार्टी और उनके नेतृत्व की कोई सक्रियता बाढ़ प्रभावित इलाके में नहीं देखी गई। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस बीच भाजपा के मंत्री, विधायक और विभिन्न स्तरों के कार्यकर्ता सतही राजनीति से ऊपर उठकर आपदा के समय बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए दिन-रात कार्य करते नजर आए। असम प्रदेश भाजपा के चिकित्सा कोष ने 9 अगस्त से बीते 12 अगस्त तक 47 चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मचारियों के साथ 21 चिकित्सा सहायता शिविर लगाए और बाढ़ प्रभावित मरीजों का इलाज किया। उन्होंने 2500 से अधिक मरीजों का इलाज किया। आम तौर पर बाढ़ समाप्त होने के बाद विभिन्न तरह की महामारियों से बाढ़ पीड़ित प्रभावित ग्रस्त होते हैं, हालांकि इस बार इस प्रलयकारी बाढ़ के बाद भी लोगों के महामारियों से प्रभावित न होने का मुख्य कारण है कि प्रदेश भाजपा के चिकित्सा कोष के संयोजक डॉ. प्रांजल भराली और डॉ. मृगांक तालुकदार के नेतृत्व में चिकित्सक और चिकित्सा कर्मचारियों ने यह विशेष सेवा कार्य तत्परता दिखाई।

नगांव उपचुनाव : एआईयूडीएफ ने किया उम्मीदवार का ऐलान, ठुकराया कांग्रेस का प्रस्ताव

गुवाहाटी (हिंस)। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस के साथ गठबंधन के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। अजमल ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। अजमल ने नगांव उपचुनाव के लिए रेजाउल करीम सरकार को एआईयूडीएफ का उम्मीदवार बनाने की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरेगी। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अजमल ने कहा कि कांग्रेस ने भारतवर्ष को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने दोहराया कि आगामी उपचुनाव में कांग्रेस के साथ किसी भी तरह का गठबंधन नहीं किया जाएगा।

शक्ति आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्वागत समारोह आयोजित

कार्यक्रम में विधायक रूपम चंद्र राय ने हिस्सा लिया

कोकराझाड़ (विभास)। असम के शिक्षा जगत में एक अत्यंत हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण के बीच शक्तिआश्रम उच्चतर माध्यमिक और तकनीकी विद्यालय का वर्ष 2026-27 का नवीन आंगतुक स्वागत समारोह (फ्रेशर्स सोशल) भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में बउखूंगारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपम चंद्र राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ विद्यालय के प्रिंसिपल लखमन चंद दास, सभी शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। विद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में पुराने और नए छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने एक अत्यंत आनंदमय और ऊर्जावान माहौल बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के शिक्षक-कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने नए विद्यार्थियों का पारंपरिक *फुलम गामोछा* पहनाकर और गर्मजोशी के साथ विद्यालय परिवार में स्वागत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां: छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इस आयोजन की शोभा को चार चांद लगा दिए। विद्यालय के विशिष्ट शिक्षकों और प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने नव-प्रवेशी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रेरणादायक विचार साझा किए। वक्ताओं ने विद्यार्थियों के बीच अनुशासन, शिक्षा के महत्व और तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता पर विशेष प्रकाश डाला।

वीर टिकेंद्रजीत सिंह और मेजर थंगल की 135वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

गुवाहाटी (हिंस)। ब्रिटिश शासन के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ते हुए प्राणों की आहुति देने वाले वीर टिकेंद्रजीत सिंह और मेजर थंगल की 135वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार को शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान राजबाड़ी स्थित वीर टिकेंद्रजीत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें और मेजर थंगल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मणिपुरी बस्ती मीरा पैबी वुमेन एसोसिएशन की महिलाओं ने देशभक्ति गीतों के साथ श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत की। राजबाड़ी क्लब के तत्वावधान में आयोजित सभा की अध्यक्षता दीपक सिंह ने की। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री दिनेश तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट (मणिपुर) के अध्यक्ष नोंगथोंगबाम रूपाचंद्र, राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के राष्ट्रीय सचिव हरेंद्र बोरा, राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट असम के अध्यक्ष बलेन बैश्य, 30 नंबर वार्ड की पार्षद बिनीता दत्तचौधरी और मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय गुप्ता शामिल हुए। सभा में वक्ताओं ने *एंग्लो-मणिपुर युद्ध* के इतिहास और वीर टिकेंद्रजीत सिंह तथा मेजर थंगल के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके बलिदान को याद किया।

असम बाढ़ राहत के लिए ओएनजीसी देगा 25 करोड़ रुपए

गुवाहाटी (हिंस)। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के चेयरमैन एवं सीईओ अरुण कुमार सिंह ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान ऊपरी असम में बाढ़ से प्रभावित लोगों के राहत, पुनर्वास और बुनियादी ढांचे की बहाली को लेकर चर्चा हुई। बैठक में ओएनजीसी ने असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए 25 करोड़ की सहायता राशि देने की प्रतिबद्धता जताई। इस राशि में से 5 करोड़ मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए जाएंगे। वहीं, 20 करोड़ बाढ़ से क्षतिग्रस्त 700 से अधिक स्कूलों के पुनर्निर्माण पर खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ओएनजीसी के लगातार सहयोग की सराहना की। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने और जरूरी बुनियादी ढांचे को जल्द बहाल करने के लिए त्वरित, समन्वित और जन-केंद्रित कदम उठाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बैठक और ओएनजीसी की सहायता की जानकारी साझा की। ओएनजीसी की इस सहायता से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को दोबारा पटरी पर लाने के साथ-साथ प्रभावित समुदायों के पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्रो. आशीष कुमार ने आईएएसएसटी गुवाहाटी के निदेशक का दूसरा कार्यकाल किया शुरू

गुवाहाची। प्रो. आशीष कुमार मुखर्जी ने आईएएसएसटी, गुवाहाटी संस्थान के निदेशक के रूप में दूसरा कार्यकाल शुरू किया। प्रो. आशीष कुमार मुखर्जी का उनके दूसरे कार्यकाल के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन संस्थान के निदेशक के रूप में स्वागत करते हुए प्रसन्न है। प्रो. मुखर्जी एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं जिनका वैज्ञानिक अनुसंधान, अकादमिक नेतृत्व और संस्था निर्माण में एक सफल करियर है। वैज्ञानिक अनुसंधान की उन्नति में उनके योगदान और उनके नेतृत्व के अनुभव ने संस्थान के अनुसंधान और शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने कार्यकाल के दौरान, प्रो. मुखर्जी उत्कृष्टता, अंत:विषय अनुसंधान, नवाचार और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक रहे हैं। उनके निरंतर नेतृत्व से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों में किये जा रहे शोध कार्यो के मध्यम से आईएएसएसटी के प्रयासों को और एक नयी उचांई प्राप्त होने की उम्मीद है, साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान समुदायों के साथ इसकी भागीदारी को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। उनके दूसरे कार्यकाल के अवसर पर, संपूर्ण आईएएसएसटी परिवार प्रो. मुखर्जी का हार्दिक स्वागत और शुभकामनाएं देता है। उनके दृष्टिकोण, अनुभव और वैज्ञानिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता से संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रमों, संस्थागत विकास, नवाचार पहलों और सामाजिक पहुंच को नई गति मिलने की उम्मीद है। उनके नेतृत्व में, आईएएसएसटी वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार, क्षमता निर्माण और सामाजिक प्रभाव में नए मील के पत्थर हासिल करने के लिए उत्सुक है, जो भारत के बढ़ते वैज्ञानिक और तकनीकी परिदृश्य में और योगदान देगा।

रंगिया : 102वें श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा महोत्सव का आगाज

रंगिया (विभास)। स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में 102वें वार्षिक श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा महोत्सव के भव्य आयोजन की औपचारिक शुरुआत हो गई है। आगामी 23 अगस्त (रविवार) से 28 अगस्त (शुक्रवार), 2026 तक आयोजित होने वाले इस छह दिवसीय धार्मिक महाउत्सव को पूर्ण निष्ठा, भव्यता और निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंदिर संचालन एवं आयोजन समिति द्वारा ?सनातन परंपरा का पालन करते हुए सबसे पहला आमंत्रण पत्र विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश, श्री श्री राधाकृष्ण तथा रंगिया नरेश सहित मंदिर प्रांगण में विराजमान समस्त देवी-देवताओं के श्री चरणों में श्रद्धापूर्वक अर्पित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई पूजन विधि मे पुजारी मनीष शर्मा (पुत्र: पंडित गोपाल शर्मा) ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यह पूजन कार्य संपन्न कराया। पूजा-अर्चना के दौरान ईश्वर से प्रार्थना की गई कि छह दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक महोत्सव के दौरान सभी प्रकार की विघ्न-बाधाएं दूर हों, समाज में सुख-समृद्धि का वास हो और संपूर्ण आयोजन शांतिपूर्ण तथा सुचारू रूप से संपन्न हो। प्रथम आमंत्रण अर्पण के इस पावन अवसर पर मंदिर संचालन एवं आयोजन समिति के सदस्यों के साथ-साथ कई स्थानीय

समाजबंधु और श्रद्धालु उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 102वें वर्ष में प्रवेश कर रहे इस झूलन यात्रा महोत्सव को लेकर संपूर्ण क्षेत्र में अपार उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि छह दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक उत्सव में भगवान श्री श्री राधाकृष्ण का आकर्षक झूलन दर्शन और विभिन्न झांकियों सहित विभिन्न देवी देवताओं की मनमोहक झांकियों की प्रदर्शनी और विद्युत चालित झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र होगी।

होजाई नागरिक समाज ने ऊपरी असम के बाढ़ पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में सौंपे 1,00,500 रुपए

होजाई (निसं)। असम के ऊपरी क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए होजाई नागरिक समाज आगे आया है। संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला आयुक्त को 1,00,500 रुपए (एक लाख पांच सौ रुपए) का बैंक ड्राफ्ट सौंपकर इस राशि को मुख्यमंत्री राहत कोष में भेजने का अनुरोध किया है। यह प्रतिनिधिमंडल समाजसेवी व सचिव, होजाई नागरिक समाज कमल दत्ता के नेतृत्व में जिला आयुक्त से हालही में मिला। इस अवसर पर उनके साथ प्रमोद रंजन दास, मोजादार रंजन बोरा, नेवाजुद्दीन अहमद, बाबुल साहा और असीम मजूमदार सहित संगठन के कई अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। होजाई नागरिक समाज द्वारा सौंपे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि ऊपरी असम में आई हालिया बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे

हजारों लोग बेघर हो गए हैं और संपत्ति, घरेलू सामान व पशुधनों का भारी नुकसान हुआ है। इस संकट की घड़ी में होजाई नागरिक समाज ने संस्था की तरफ से 1,00,500 रुपए की सहायता राशि का ड्राफ्ट होजाई जिला आयुक्त संजय दत्त को सौंपा। संगठन के सदस्यों ने उम्मीद जताई है कि यह छोटी सी सहायता राशि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत और पुनर्वास कार्यों में पीड़ित परिवारों के काम आएगी।

दोतमा नगरपालिका बोर्ड अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और वार्ड कमिश्नरों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के दोतमा में नवनिर्वाचित नगरपालिका बोर्ड का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को बोडोफा यूएन ब्रह्म कॉलेज के कांफ्रेंस हॉल में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस गरिमामय समारोह में बोर्ड के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी वार्ड आयुक्तों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह से पहले, दोतमा बाजार में दोतमा नगरपालिका बोर्ड के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन बीटीसी (बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) के कार्यकारी सदस्य मून मून ब्रह्म ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर बीटीसी के कार्यकारी सदस्य प्रकाश बासुमतारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ बीपीएफ पार्टी के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। सुबह 10 बजे आरंभ हुए मुख्य समारोह के दौरान सर्किट ऑफिसर (चक्र अधिकारी) अलंदिता ब्रह्म ने नव-नियुक्त चेयरमैन बकुल ब्रह्म और वाइस-चेयरमैन दहित चंद्र ब्रह्म को आधिकारिक रूप से पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात, समिति के सभी नवनिर्वाचित वार्ड कमिश्नरों ने भी विधिवत रूप से अपने पद की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

बोड़ोलैंड एफसी ने कार्बी आंग्लांग मॉर्निंग स्टार के खिलाफ बड़ी जीत के बावजूद नॉकआउट के लिए क्वालिफाई नहीं किया

गुवाहाटी। स्थानीय खिलाड़ी और भारत के पूर्व इंटरनेशनल हलिचरण नार्जारी ने बोड़ोलैंड एफसी के लिए शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन किया। उन्होंने चार गोल किए और दो असिस्ट दिए, जिससे उनकी टीम ने गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 को इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप के अपने आखिरी ग्रुप स्न मैच में स्थानीय प्रतिद्वंद्वी कार्बी आंग्लांग मॉर्निंग स्टार एफसी पर 6-0 से आसान जीत हासिल की। हलिचरण नार्जारी ने दोनों हाफ में दो-दो गोल किए, जबकि ब्रेक के बाद कौशिक दैमारी और ग्वाग्वामसार गयारी ने भी गोल करके बोड़ोलैंड एफसी को बड़ी जीत दिलाई। शानदार जीत और तीन मैचों में छह अंक हासिल करने के बावजूद, बोड़ोलैंड एफसी क्वार्टर-फाइनल में जगह नहीं बना पाई। वे *बेस्ट दूसरे स्थान वाली टीमों* में शामिल नहीं हो सके, क्योंकि ईस्ट बंगाल एफसी और जमशेदपुर एफसी ने भी छह अंक हासिल किए, लेकिन उनका गोल अंतर बेहतर था। वहीं, कार्बी आंग्लांग मॉर्निंग स्टार एफसी लगातार दूसरे सीजन में बिना किसी अंक के अपना अभियान

खत्म किया। 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप के सभी 43 मैच सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव दिखाए जाएंगे और सोनीलिव पर लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे। बोड़ोलैंड एफसी के हेड कोच विकास पंथी ने इस अहम मैच के लिए अपनी शुरुआती प्लेइंग एलेवेन में तीन बदलाव किए। उन्होंने गौरव सिंह बोहारा की जगह डिफेंडर डिडवम हजोवारी को शामिल किया, जबकि अटैक में ग्वाग्वामसार गयारी और टिमोथी नार्जारी की जगह सिद्धार्थ खिची और नेपाल के फॉरवर्ड एरॉन थापा को उतारा। वहीं, कार्बी आंग्लांग मॉर्निंग स्टार एफसी के हेड कोच सी.ए. लालदिनसांग पुडाइते ने अपनी टीम के आखिरी ग्रुप मैच के लिए दो बदलाव किए: जसप्रीत सिंह की जगह ए. मुहम्मद मुर्शिद गोलकीपर बने और लालपेख्लुआ की जगह फॉरवर्ड लोइटोंगबाम टायसन सिंह को लाइनअप में शामिल किया गया। कार्बी आंग्लांग मॉर्निंग स्टार एफसी ने मैच शुरू होने के 20 सेकंड के अंदर ही गोल करने की पहली कोशिश की, जब जोसेफ ओलालेये ने एक *थ्रू बॉल* पकड़कर बॉक्स में तेजी से एंट्री की। हालांकि, स्ट्राइकर का शॉट सीधे गोलकीपर बिरखांग दैमारी के पास गया, जिन्होंने आसानी से गेंद को रोक दिया। बोड़ोलैंड एफसी को पेनल्टी मिली जब कार्बी आंग्लांग के गोलकीपर ए. मुहम्मद मुर्शिद ने सिद्धार्थ खिची को बॉक्स के अंदर गिरा दिया। हलीचरण नार्जारी ने रॉबिन्सन रेंडन को एक शानदार पास देकर मूव शुरू किया, और रॉबिन्सन ने सिद्धार्थ को एक सटीक बॉल दी। फॉरवर्ड खिलाड़ी बॉक्स में तेजी से आगे बढ़ा, लेकिन आगे आए गोलकीपर ने उसे गिरा दिया। हलीचरण ने स्पॉट-किक ली और आसानी से गोल करके बोड़ोलैंड को बढ़त दिला दी। हलीचरण नार्जारी, जो बोड़ोलैंड के अटैकिंग मूव्स में अहम भूमिका निभा रहे थे, कुछ ही देर बाद फिर से एक्शन में दिखे जब उन्होंने रॉबिन्सन के लिए बॉक्स में एक सटीक क्रॉस दिया। कोलंबियाई खिलाड़ी ने पहली बार में ही वॉली से शॉट मारा, लेकिन गोलकीपर ने शानदार रिफ्लेक्स दिखाते हुए गेंद को रोक दिया। दूसरी तरफ, ब्लू जायंट्स को भी पेनल्टी मिली जब बोड़ोलैंड के डिफेंडर शुभम सारंगी ने जोसेफ ओलालेये को बॉक्स के अंदर गिरा दिया। जूनियर ओंगुएन एनकेंग ने स्पॉट-किक ली, लेकिन बिरखांग दैमारी ने उसे रोक दिया, क्योंकि शॉट गोलकीपर के लिए सही ऊंचाई पर आया था। इसके बाद दैमारी ने तेजी से प्रतिक्रिया करते हुए पाओगोमांग सिंगसन के रिबाउंड शॉट को रोक दिया और बोड़ोलैंड की बढ़त बनाए रखी। हाइड्रेशन ब्रेक से ठीक पहले बोड़ोलैंड एफसी ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जिसमें हलीचरण नार्जारी और रॉबिन्सन रेंडन ने एक बार फिर मिलकर काम किया।

संपादकीय

क्यों जरूरी है एफसीआरए

यदि एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियामक अधिनियम) संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचारार्थ भेजा जाता है, तो इसके साफ मायने हैं कि यह बिल लटक गया। बेशक जेपीसी में भाजपा-एनडीए सांसदों का बहुमत होगा और अध्यक्ष भी उन्हीं का होगा, लेकिन विमर्श, सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, प्रभावित क्षेत्रों-संगठनों के तर्क और पक्ष-विपक्ष की टकरावपूर्ण राजनीति के मद्देनजर बिल पर सम्यक विचार करने में 4-6 महीने का वक्त लगना स्वाभाविक है। जेपीसी की रपट के बाद भी संसद में सहमति बन पाएगी और बिल सहजता से पारित होगा, इसके आसार नगण्य हैं। इस कानून में संशोधन करना और उसे सख्ती से लागू करना इसलिए बेहद जरूरी है, क्योंकि एफसीआरए के जरिए देश की सुरक्षा, संप्रभुता, लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिशें जारी रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ दुराग्रही अभियान, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समर्थक पत्रकारिता-लेखन और 'नवजात' कॉकरोच जनता पार्टी आदि को भी विदेशी पैसा मिलता रहा है। यह कोई छिपा हुआ रहस्य नहीं है, बेशक कोई कुछ भी स्पष्टीकरण देता रहे या दावे करे, लेकिन विदेशी फंडिंग मिलती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन के कौन से फाउंडेशन और संगठन भारत में देश-विरोधी हरकतों को पैसा दे रहे हैं, उनके ब्यौरे स्पष्ट हैं। भारतीय स्टेट बैंक और केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास तमाम रिकॉर्ड दर्ज हैं। अमरीकी फंडिंग भारत में उसके राजदूत सर्जियो गोर के जरिए भी मिलती रही है। एफसीआरए में स्पष्ट प्रावधान है कि राजनेता, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, जज-न्यायाधीश, सरकारी कर्मचारी और पत्रकार आदि विदेशी अंशदान नहीं ले सकते। इस प्रावधान का उल्लंघन किया जा रहा है और मीडिया में वेबसाइट, पोर्टल, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभियाननुमा लेखन वाली एक महिला पत्रकार और यहां तक कि 'कॉकरोचों' को भी विदेशी फंडिंग मिल रही है। गृह मंत्रालय ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनमें 15,491 डॉलर 'कॉकरोच' के नाम भी दर्ज हैं। पुणे में पूर्व न्यायाधीशों और न्यायविदों के एक ताकतवर एनजीओ को भी विदेशों से पैसा मिलता रहा है। इस सूची में राहुल गांधी समर्थक संगठन का नाम भी है। भारत में औसतन 18,500-22,963 करोड़ रुपए सालाना की विदेशी फंडिंग आती रही है। कुल 52,159 एनजीओ पंजीकृत किए गए थे। उनमें से अब 14,455 ही सक्रिय हैं। 22,498 एनजीओ के लाइसेंस रद्द कर दिए गए और 15,206 संस्थाओं के लाइसेंस 'डीम्ड एक्सपायर्ड' माने गए। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि पांच साल की अवधि पूरी होने के बाद लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया गया। अमरीका के संगठनों, सांसदों और ईसाई प्रतिनिधियों ने एफसीआरए संशोधन बिल का सबसे अधिक विरोध किया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में यहां तक धमकी दी गई कि यदि यह संशोधन बिल भारतीय संसद में पारित किया जाता है, तो 'रणनीतिक साझेदारी' के संबंध प्रभावित होंगे। क्या अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ऐसा जोखिम उठा सकते हैं? भारत में भी कांग्रेस समेत लगभग सभी विपक्षी दलों ने बिल के विरोध के ऐलान किए हैं। उन्होंने बिल को 'अल्पसंख्यक-विरोधी' करार दिया। ईसाई समुदाय के प्रतिनिधि गृहमंत्री अमित शाह से मिले। उन्हें आश्वस्त किया गया कि बिल किसी के भी खिलाफ नहीं है। अलबत्ता विदेशी फंडिंग को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, निश्चित काम के लिए अंशदान, देशहित तय करने की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, लिहाजा यह बिल जरूरी है। यह भी साफ किया गया कि विदेशी फंडिंग किसी भी तरह के 'भारतीय धर्मांतरण' के लिए नहीं दी जाएगी। भारत में मुसलमानों के मदरसों और संगठनों को अरब देशों और अन्य इस्लामिक देशों, संगठनों से खूब पैसा मिलता रहा है। एफसीआरए इसे सिर्फ कानूनी रूप देगा और नियंत्रित करेगा कि पैसा किसलिए बाहर से आया है? देश में सबसे अधिक एनजीओ 2104 तमिलनाडु में सक्रिय हैं। उनमें से कुछ ने कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना का जमकर विरोध किया था। महाराष्ट्र में 1583 एनजीओ सक्रिय हैं, लेकिन जिन एनजीओ, संस्थाओं के एफसीआरए लाइसेंस रद्द किए गए, उनमें बिहार सबसे ऊपर है।

अमरीकी फंडिंग भारत में उसके राजदूत सर्जियो गोर के जरिए भी मिलती रही है। एफसीआरए में स्पष्ट प्रावधान है कि राजनेता, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, जज-न्यायाधीश, सरकारी कर्मचारी और पत्रकार आदि विदेशी अंशदान नहीं ले सकते। इस प्रावधान का उल्लंघन किया जा रहा है और मीडिया में वेबसाइट, पोर्टल, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभियाननुमा लेखन वाली एक महिला पत्रकार और यहां तक कि 'कॉकरोचों' को भी विदेशी फंडिंग मिल रही है। गृह मंत्रालय ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनमें 15,491 डॉलर 'कॉकरोच' के नाम भी दर्ज हैं। पुणे में पूर्व न्यायाधीशों और न्यायविदों के एक ताकतवर एनजीओ को भी विदेशों से पैसा मिलता रहा है। इस सूची में राहुल गांधी समर्थक संगठन का नाम भी है। भारत में औसतन 18,500-22,963 करोड़ रुपए सालाना की विदेशी फंडिंग आती रही है। कुल 52,159 एनजीओ पंजीकृत किए गए थे। उनमें से अब 14,455 ही सक्रिय हैं। 22,498 एनजीओ के लाइसेंस रद्द कर दिए गए और 15,206 संस्थाओं के लाइसेंस 'डीम्ड एक्सपायर्ड' माने गए।

म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं। सोशल मीडिया का लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो। सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-ज़ी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए। सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं।

कुछ अलग

शिव जी की नारद मुनि की कथा की सीखः

हमारे जीवन में कई लोग समय-समय पर हमें सलाह देते हैं। इनमें से कुछ लोग केवल अपनी राय रखते हैं, जबकि कुछ ऐसे भी होते हैं जो सचमुच हमारा भला चाहते हैं। ऐसी निःस्वार्थ सलाह को पहचानना और उसे सही समय पर स्वीकार करना बहुत जरूरी है। यह बात भगवान शिव और नारद मुनि की कथा से समझ सकते हैं... एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया। इस सफलता से नारद जी को अपने ऊपर गर्व होने लगा। वे लोगों को बताते फिर रहे थे कि उन्होंने कामदेव को हरा दिया है। धीरे-धीरे यह गर्व अहंकार में बदलने लगा। उत्साह में नारद मुनि कैलाश पर्वत पहुंचे और भगवान शिव को भी अपनी विजय के बारे में बताया। नारद जी ने कहा कि उन्होंने कामदेव को पराजित किया और इसके लिए उन्हें क्रोधित भी नहीं होना पड़ा। शिव जी समझ गए कि नारद मुनि के मन में अपनी सफलता को लेकर अहंकार पैदा हो गया है। उन्होंने नारद जी को समझाया कि कामदेव पर विजय प्राप्त करना अच्छी बात है, लेकिन इसका घमंड नहीं करना चाहिए। शिव जी ने यह भी कहा कि वे यह बात उनसे कह रहे हैं, लेकिन भगवान विष्णु से इसका उल्लेख न करें। नारद मुनि ने शिव जी की सलाह को गंभीरता से नहीं लिया। उन्हें लगा कि शायद शिव जी उनकी प्रशंसा से प्रसन्न नहीं हैं। वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे और अपनी विजय का बखान करने लगे। विष्णु जी समझ गए कि नारद मुनि को अपनी उपलब्धि का अहंकार हो गया है। उन्होंने नारद जी का अहंकार दूर करने के लिए अपनी माया से एक सुंदर नगरी बनाई, जहां एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा था।

देश दुनीया से

खाद्य मिलावट पर कानून का हो प्रहार

भोज्य सामग्री केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली शर्त है। जिस खाद्य सामग्री को हम अपने परिवार, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य का आधार मानकर खरीदते हैं, यदि वही मिलावटी, दूषित या अस्वच्छ निकले तो यह महज उपभोक्ता के साथ धोखा नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है। विडंबना यह है कि हमारे देश में खाद्य सुरक्षा के लिए कानून भी है, नियामक संस्थाएं भी हैं, निरीक्षण की व्यवस्था भी है और प्रयोगशालाएं भी, लेकिन फिर भी मिलावटखोरों के हौसले बुलंद हैं। लिहाजा खाद्य मिलावट पर अब ऐसा प्रहार जरूरी है, जिसकी चोट मिलावट करने वालों तक स्पष्ट रूप से पहुंचे। मिलावट की समस्या अब दूध में पानी या मसालों में कृत्रिम रंग मिलाने तक सीमित नहीं रही। दूध और दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल, मसाले, मिठाइयां, अनाज, दालें, शहद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठते रहते हैं। गलत लेबलिंग, भ्रामक विज्ञापन, अनुचित भंडारण, दूषित पानी और अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थ तैयार करना भी खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2026 में जारी नई वैश्विक गणना इस खतरे की भयावहता को सामने रखती है। वर्ष 2021 में असुरक्षित भोजन के कारण दुनिया में लगभग 86.6 करोड़ लोग बीमार हुए और करीब 15.2 लाख लोगों की मृत्यु हुई। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे इसके सबसे संवेदनशील वर्गों में हैं। असुरक्षित भोजन से 200 से अधिक बीमारियां जुड़ी हैं। इनमें सामान्य संक्रमण और दस्त से लेकर गंभीर तंत्रिका संबंधी समस्याएं, गुर्दे और यकृत की क्षति तथा कुछ परिस्थितियों में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी शामिल हैं। इससे वैश्विक उत्पादकता को लगभग 310 अरब अमरीकी डॉलर का नुकसान होने का अनुमान है। यानी खाद्य सुरक्षा केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और मानव संसाधन से भी जुड़ा प्रश्न है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 1.70 लाख खाद्य नमूनों की जांच की गई और उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 17.6 प्रतिशत नमूने निर्धारित

मानकों पर खरे नहीं उतरे। दूध के नमूनों में भी गुणवत्ता संबंधी विफलताएं बड़ी संख्या में सामने आईं। भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 24.8 करोड़ टन दूध उत्पादन हुआ था और संसद में दी गई सरकारी जानकारी के अनुसार जांचे गए नमूनों में लगभग 37.3 प्रतिशत का अमानक या मिलावटी पाया जाना खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने या मिलावट पाए जाने के कुल 185780 मामलों में से केवल 3.3 प्रतिशत मामलों में दोषसिद्धि हो सकी। लगभग 75 प्रतिशत मामलों यानी 139507 मामलों में केवल आर्थिक जुर्माना लगाकर कार्रवाई का निपटारा किया गया। भारत में खाद्य सुरक्षा की वर्तमान व्यवस्था का आधार खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 है। इस कानून ने पुराने खाद्य अपमिश्रण निवारण कानून सहित खाद्य संबंधी अनेक कानूनों को एकीकृत कर व्यापक नियामकीय ढांचा तैयार किया है। इस अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का गठन किया गया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई खाद्य पदार्थों के मानक निर्धारित करता है और राज्यों की खाद्य सुरक्षा मशीनरी निरीक्षण तथा प्रवर्तन का काम करती है। वर्तमान कानून में असुरक्षित भोजन के लिए गंभीर दंड का प्रावधान है। धारा 59 के अनुसार असुरक्षित खाद्य पदार्थ से किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर दोषी को कम से कम सात वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा और कम से कम दस लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। स्पष्ट है कि कानून कमजोर नहीं है, कमजोर कड़ी उसके क्रियान्वयन में दिखाई देती है। आज आवश्यकता है, नमूना लेने से लेकर प्रयोगशाला में जांच, रिपोर्ट प्राप्त करने, अभियोजन और दोषसिद्धि तक की प्रक्रिया को तेज करना होगा। आधुनिक प्रयोगशालाओं की संख्या और क्षमता बढ़ानी होगी। प्रशिक्षित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी दूर करनी होगी। जोखिम आधारित नमूना जांच को बढ़ावा देना होगा और बार-बार नियम तोडने वाले कारोबारियों पर विशेष निगरानी रखनी होगी। गंभीर मामलों में आर्थिक दंड के साथ आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। कार्रवाई ऐसी हो कि छोटे व्यापारी पर अनावश्यक दबाव न पड़े, लेकिन बड़े कारोबारी, प्रभावशाली संस्थान या बार-बार नियम तोडने वाला व्यक्ति कानून की पकड़ से बच भी न सके। हिमाचल प्रदेश में इसका महत्व और बढ़ जाता है। पर्यटन प्रधान राज्य होने के कारण यहां स्थानीय नागरिकों के साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भी होटल, रेस्तरां, ढाबों, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर निर्भर रहते हैं। भोजन की गुणवत्ता प्रदेश की पर्यटन छवि से भी जुड़ी है। इसलिए पर्यटन सीजन में विशेष जांच अभियान, नियमित नमूना परीक्षण, मोबाइल खाद्य परीक्षण सुविधाएं और प्रयोगशाला क्षमता को मजबूत करना जरूरी है। सरकार और विभागों की जिम्मेदारी के साथ उपभोक्ता की सजगता भी जरूरी है। खाद्य पदार्थ खरीदते समय एफएसएसएआई लाइसेंस या पंजीकरण, निर्माण एवं समाप्ति तिथि, बैच नंबर, सामग्री की सूची और लेबल संबंधी जानकारी देखनी चाहिए।

आप का नजरीया

अपने विस्तार पर सरकार

हिमाचल प्रदेश के मंत्रिमंडल में एक नया चेहरा-एक नया ख्वाब राजनीति को आशावान कर रहा है। इस बात के सौ फीसदी संकेत मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वयं दिए हैं कि कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर का पद तय है। मंत्रिमंडल के विस्तार से कुल्लू का पटल अगर दिखाई दे रहा है, तो यह क्षेत्रीय संतुलन की हिफाजत का माकूल अवसर भी है। सुंदर ठाकुर को लेकर सदा पद और पदक की दरकार रही है, लेकिन काफी समय लगा इस फैसले के करीब आते-आते। कांग्रेस सरकार तेजी से अगले चुनाव की तैयारियों में सियासी व प्रशासनिक तैयारियां करने में जुट गई है। राजनीति में आक्रामकता के जिस दौर में भाजपा रही है, वहां आज कांग्रेस ने स्थान ग्रहण किया है। फील्ड से सचिवालय तक अपनी गूंज की उपस्थिति दर्ज करते हुए सत्ता पक्ष ने मिशन रिपीट के दारोमदार को निपुण किया है। बेशक हर सरकार की राजनीतिक लागत है, लेकिन यहां प्रश्नों की फेहरिस्त विपक्ष की तरफ मुखातिब है। आर्थिक संकट के बादलों के बीच आपदाओं की गोलबंदी ने अगर मजमून घायल किए तो कठघरे में केंद्र सरकार को लाने की हर कोशिश हिमाचल सरकार ने की। पंद्रह सौ करोड़ की घोषित राशि से दूर खड़ा हिमाचल पूछ रहा है, तो जवाब में भाजपाई अंदाज मजबूर हैं। विकास यात्रा पर मरहम और पट्टियों के बजाय आर्थिक आत्मसम्मान के मोर्चे पर पंजाब पुनर्गठन की फाइल और किशाऊ बांध तक किश्तियां दौड़ा कर हिमाचल ने अपनी जिरह बदली तो यह जुनून नई आर्थिक शर्तें खड़ी कर गया। फैसलों के पाले पड़ोसी राज्यों से केंद्र तक रहे, तो आर्थिक संकट से आत्मनिर्भरता के विकल्प निकाले जा रहे हैं। जाहिर है प्रदर्शन की नई संस्कृति विकसित करते मुख्यमंत्री ने राजनीति के उच्चारण बदले तो घाघ राजनीति के घाव पहली बार नजर आए। भाजपा बनाम कांग्रेस के आंदोलनकारी तेवर मुकाबिल हैं, तो कई पगडियां उछल रही हैं। मुद्दा सुधीर शर्मा की टिप्पणी से होता हुआ कानून की वकालत और अदालत तक पहुंच गया। यह रोचक-रोमांचक पहलू नहीं, लेकिन एफआईआर की तामील पर प्रदेश की राजनीति ने विपक्ष को जवाब और जुबान का अंतर समझा दिया है। यह दीगर है कि कांग्रेस के भीतर संगठन और सरकार के बीच अभी पुनगर्ठन के कुछ स्थान रिक्त हैं। सरकार के प्रदर्शन में विपक्ष के कई जवाब, जनापेक्षाओं के दबाव और विकास के कई हिसाब बाकी हैं, फिर भी पारंपरिक लकीरों से आगे सरकार ने सोच के दायरे बदले तो बात डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूलों तक पहुंच गई। कांगड़ा की बड़ी पलकों के ठीक नीचे एयरपोर्ट विस्तार की चांदनी, टूरिज्म कैपिटल और कुछ परियोजनाएं निचले हिमाचल की अभिलाषा में चार चांद लगाने की कोशिश कर रही है, फिर भी हिसाब तो स्थानीय स्वशासन में चुनावी आंकड़ों का है और यहां भाजपा बहुमत साबित करने के लिए संघर्षरत है। सरकार के पास कई रथ हो सकते हैं। इस बार इलेक्ट्रिक बसों की खेप है जो कमोबेश हर विधानसभा क्षेत्र में सौगात बन कर दिखाई दे रही है। आगामी चुनाव की नीयत व रणनीति पर सरकार ने अपनी बिसात बिछानी शुरू की है तो चेहरों की शिनाख्त में सुंदर ठाकुर अव्वल निकल आए। उनके व्यक्तित्व के गणित सरकार में किस कद्र बैठते हैं, यह काफी हद तक उनके मंत्रिमंडलीय प्रभार से पता चलेगा, लेकिन कयास उनके पाले में पर्यटन, ऊर्जा, वन व बागवानी तक शिरकत कर सकते हैं। मंत्रिमंडल के सदस्यों के कार्यों का मूल्यांकन भी अगर हो जाए तो कुछ टोपियां बदल सकती हैं, कुछ सम्मान बढ़ा सकता है। अच्छी बात यह कि सरकार अपने कार्यों को तीव्र गति प्रदान करने के लिए कुछ नए पद और पदक तय कर रही है।

सुंदर ठाकुर को लेकर सदा पद और पदक की दरकार रही है, लेकिन काफी समय लगा इस फैसले के करीब आते-आते। कांग्रेस सरकार तेजी से अगले चुनाव की तैयारियों में सियासी व प्रशासनिक तैयारियां करने में जुट गई है। राजनीति में आक्रामकता के जिस दौर में भाजपा रही है, वहां आज कांग्रेस ने स्थान ग्रहण किया है। फील्ड से सचिवालय तक अपनी गूंज की उपस्थिति दर्ज करते हुए सत्ता पक्ष ने मिशन रिपीट के दारोमदार को निपुण किया है। बेशक हर सरकार की राजनीतिक लागत है, लेकिन यहां प्रश्नों की फेहरिस्त विपक्ष की तरफ मुखातिब है। आर्थिक संकट के बादलों के बीच आपदाओं की गोलबंदी ने अगर मजमून घायल किए तो कठघरे में केंद्र सरकार को लाने की हर कोशिश हिमाचल सरकार ने की। पंद्रह सौ करोड़ की घोषित राशि से दूर खड़ा हिमाचल पूछ रहा है, तो जवाब में भाजपाई अंदाज मजबूर हैं। विकास यात्रा पर मरहम और पट्टियों के बजाय आर्थिक आत्मसम्मान के मोर्चे पर पंजाब पुनर्गठन की फाइल और किशाऊ बांध तक किश्तियां दौड़ा कर हिमाचल ने अपनी जिरह बदली तो यह जुनून नई आर्थिक शर्तें खड़ी कर गया। फैसलों के पाले पड़ोसी राज्यों से केंद्र तक रहे, तो आर्थिक संकट से आत्मनिर्भरता के विकल्प निकाले जा रहे हैं। जाहिर है प्रदर्शन की नई संस्कृति विकसित करते मुख्यमंत्री ने राजनीति के उच्चारण बदले तो घाघ राजनीति के घाव पहली बार नजर आए। भाजपा बनाम कांग्रेस के आंदोलनकारी तेवर मुकाबिल हैं, तो कई पगडियां उछल रही हैं। मुद्दा सुधीर शर्मा की टिप्पणी से होता हुआ कानून की वकालत और अदालत तक पहुंच गया।

दृष्टि कोण

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन

असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा।

राजस्थान कैबिनेट के बड़े फैसले : पेड़ काटने से लेकर शादी, विरासत और लिव-इन तक बदलेंगे नियम

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सरकार की गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल बैठक में कई ऐसे फैसले लिए गए हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की जिंदगी, पर्यावरण, सरकारी कर्मचारियों, ग्रामीण जलापूर्ति और सैनिक परिवारों पर पड़ेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में खेजड़ी समेत 29 प्रमुख वृक्ष प्रजातियों की कटाई पर नियंत्रण के लिए नया कानून, जबकि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, भरण-पोषण और लिव-इन संबंधों को लेकर समान नागरिक संहिता के विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दी गई। दोनों विधेयक आगामी विधानसभा सत्र में पेश किए जाएंगे। सबसे बड़ा बदलाव राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल-2026 में देखने को मिलेगा। इसके तहत राज्य वृक्ष खेजड़ी, राज्य पुष्प रोहिड़ा, बरगद, पीपल, लसोड़ा, तेंदू, महुआ, कैर और चिरोंजी समेत 29 महत्वपूर्ण प्रजातियों को संरक्षण मिलेगा। गैर वन भूमि पर खड़े इन वृक्षों को अधिकृत प्राधिकारी की अनुमति के बिना काटना अपराध होगा। दोष सिद्ध होने पर एक साल तक की जेल या एक लाख रुपए तक जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। अनुमति लेकर पेड़ हटाने पर उसी क्षेत्र में निर्धारित संख्या में नए पेड़ लगाना भी अनिवार्य होगा। यानी अब अपनी जमीन पर खड़ा पेड़ होने के बावजूद उसे काटने से पहले अनुमति लेना जरूरी होगा। दूसरी ओर, राजस्थान समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 के जरिए विवाह और पारिवारिक कानूनों को एक समान एवं पारदर्शी बनाने की तैयारी है। इसके तहत बहुविवाह पर रोक और विवाह का पंजीकरण अनिवार्य होगा। कानून लागू होने के बाद होने वाले विवाह का 60 दिन के भीतर पंजीकरण कराना होगा। हालांकि विवाह की धार्मिक परंपराओं पर कोई रोक नहीं होगी। अलग-अलग धर्मों के लोग अपनी परंपरा और रीति-रिवाज से विवाह कर सकेंगे। लिव-इन संबंधों को लेकर भी पहली बार स्पष्ट व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। लिव-इन संबंध शुरू करने और समाप्त करने की लिखित सूचना या पंजीकरण का प्रावधान होगा, ताकि दोनों पक्षों के अधिकारों की सुरक्षा की जा सके। विवाह या तलाक के पंजीकरण का आवेदन मिलने के 15 दिन के भीतर प्रमाण पत्र जारी करना होगा या आवेदन खारिज करने का कारण लिखित रूप में बताना होगा। पंजीकरण से इनकार होने पर 30 दिन में रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष अपील की जा सकेगी। उत्तराधिकार के मामले में भी बड़ा बदलाव प्रस्तावित है। पुत्र और पुत्री को समान अधिकार दिए जाएंगे। बिना वसीयत मृत्यु होने पर संपत्ति के हस्तांतरण के लिए उत्तराधिकारियों की प्राथमिकता तय की गई है। गर्भ में मौजूद बच्चा, यदि बाद में जीवित जन्म लेता है, तो उसे भी उत्तराधिकार का पूरा कानूनी अधिकार मिलेगा। हालांकि यह संहिता अनुसूचित जनजातियों तथा संविधान के तहत संरक्षित पारंपरिक अधिकारों वाले वर्गों पर लागू नहीं होगी। ग्रामीण राजस्थान के लिए भी कैबिनेट ने अहम फैसला लिया है। ग्रामीण जलापूर्ति के संचालन एवं संधारण नीति को मंजूरी दी गई है। अब गांवों में जल योजनाओं के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को दी जाएगी। 5-6 ग्राम पंचायतों के समूह पर क्लस्टर समिति बनाई जाएगी। इससे नल से जल की आपूर्ति को नियमित, स्वच्छ और टिकाऊ बनाने का प्रयास होगा। 1971 के भारत-पाक युद्ध के 35 शहीद परिवारों को भी अब सरकारी नौकरी का हक मिलेगा। ऑपरेशन कैक्टस लिली के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए 35 सैनिक बाद में 1 जनवरी से 31 अक्तूबर 1972 के बीच वीरगति को प्राप्त हुए थे। अब इन्हें भी बैटल कैजुअल्टी के रूप में मान्यता देते हुए इनके परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का रास्ता साफ किया गया है। सरकारी कर्मचारियों के लिए भी बैठक में कई राहत भरे निर्णय हुए। वर्ष 2026-27 में पदोन्नति के लिए वांछित अनुभव में दो साल की सशर्त छूट दी जाएगी। यह लाभ उन कर्मचारियों को मिलेगा जिन्हें पिछले तीन वित्तीय वर्षों में यह छूट नहीं मिली। दिव्यांग कर्मचारियों को पदोन्नति में चार प्रतिशत आरक्षण के तहत 30 जून 2016 से नोशनल लाभ देने के लिए नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। मृत सरकारी कर्मचारी की पुत्रवधू को भी अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र बनाने का निर्णय लिया गया है। वहीं राजपत्रित पद पर नियुक्ति के बाद प्रशिक्षण के दौरान या प्रशिक्षण पूरा होने के दो साल के भीतर पद छोड़ने पर सामान्य परिस्थितियों में वेतन-भत्तों की वसूली नहीं होगी। राज्य या केंद्र सरकार के किसी विभाग अथवा उपक्रम में नई नियुक्ति मिलने पर प्रशिक्षण खर्च और वेतन-भत्ते भी वसूल नहीं किए जाएंगे। महिला कर्मचारियों के लिए भी राहत दी गई है। एकल महिला कर्मचारी अब एक कैलेंडर वर्ष में चाइल्ड केयर लीव तीन के बजाय छह चरणों में ले सकेंगी। सरोगेसी से मातृत्व प्राप्त करने के मामलों में सरोगेट मदर को 180 दिन और कमीशनिंग मदर को 90 दिन का मातृत्व अवकाश देने का प्रावधान किया गया है। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में 470 छात्रावास अधीक्षक पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हुआ है। इनमें महिला ग्रेड-2 के 254 पद शामिल हैं। अब ये पद समान पात्रता परीक्षा के माध्यम से भरे जा सकेंगे। वन विभाग में भी पदोन्नति के रास्ते खोले गए हैं। वनरक्षक से सहायक वनपाल, सहायक वनपाल से वनपाल तथा सर्वेयर से कनिष्ठ अभियंता पद पर पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया गया है। उद्योग और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भी बड़े फैसले हुए हैं। जैसलमेर के पारेवर में अल्ट्राटेक सीमेंट को करीब 306 हेक्टेयर औद्योगिक भूमि आवंटित करने की मंजूरी दी गई है।

जगराओं-रायकोट रोड पर तालाब में कार गिरने से तीन आप कार्यकर्ताओं की मौत

लुधियाना (हिंस)। जगराओं-रायकोट रोड पर गांव बसियां के पास गुरुवार तड़के करीब 1 बजे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी। हादसे में आम आदमी पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं की मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस के अनुसार यह हादसा जगराओं से करीब 12 किलोमीटर दूर रायकोट के पास कस्बा बसियां में हुआ। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे उतरकर तालाब में जा गिरी। इस दुर्घटना में आम आदमी पार्टी से जुड़े बलकार सिंह, विशाल और संदीप की मौके पर मौत हुई है। कार में सवार पांचों व्यक्ति नकोदर से दिड़बा की ओर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि सभी मृतक वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के करीबी थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गए। बचाव अभियान चलाकर कार और मृतकों के शवों को तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। हादसा किस कारण हुआ और कार की रफ्तार कितनी थी, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर था झुंझुनू का ठग

झुंझुनू (हिंस)। झुंझुनू पुलिस 17 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में जिस आरोपी रामचंद्र को तलाश रही थी उसे खुद पीड़ित ने सोशल मीडिया पर ढूंढ निकाला। झुंझुनू के साजिद दीवान ने सोशल मीडिया पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन की पोस्ट देखी। प्रदर्शन में मौजूद लोगों के बीच एक चेहरा देखकर साजिद ने उसे पहचान लिया। यह वही रामचंद्र था जिस पर साजिद ने रेंजरोवर डिफेंडर 130 गाड़ी दिलाने के नाम पर 17 लाख रुपए लेने और बाद में न कार देने न रकम लौटाने का आरोप लगाया था। साजिद ने तुरंत झुंझुनू कोतवाली पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस की टीम दिल्ली रवाना हुई। करीब दो दिन रामचंद्र की गतिविधियों पर नजर रखी। रामचंद्र लगातार मंच, आयोजकों और भीड़ के बीच रहा। वह अभिजीत दीपके और अन्य प्रमुख लोगों के आसपास भी दिखाई दिया। भीड़ होने के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मौके पर कार्रवाई नहीं की और आरोपी गिरफ्तारी से बच गया। यही नहीं जब अभिजीत दीपके पर स्याही फेंकी गई थी उस वक्त भी रामचंद्र मौके पर मौजूद था। साजिद ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए रामचंद्र से पहचान हुई। साजिद ने रामचंद्र के जरिए फॉर्च्यूनर खरीदी थी। रामचंद्र अपनी कंपनी के नाम से ग्रेटर नोएडा

में पुराने और नए वाहनों की खरीद-फरोख्त करता है। साजिद ने दूसरी बार भी उस पर विश्वास किया। इस बार करीब 1.67 करोड़ रुपए की रेंजरोवर डिफेंडर -130 गाड़ी खरीदने का सौदा हुआ। 2 मार्च 2024 को उसने रामचंद्र से संपर्क किया। रामचंद्र ने गाड़ी की कीमत 1 करोड़ 67 लाख 37 हजार 089 रुपए बताई। वाहन बुक कराने के लिए साजिद ने रामचंद्र की कंपनी के बैंक खाते में दो बार रकम भेजी। 6 मार्च 2024 को 7 लाख और 8 मार्च 2024 को 10 लाख रुपए आरटीजीएस के जरिए जमा किए गए। रिपोर्ट में दोनों ट्रांजैक्शन के यूटीआरनंबर और संबंधित बैंक खाते का विवरण भी दर्ज है।

473 विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू परिवारों को मिले पक्के घर, मुख्यमंत्री ने सौंपी खुशियों की चाबी

जयपुर (हिंस)। वर्षों से स्थायी आवास की जरूरत से जूझ रहे विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू परिवारों के लिए गुरुवार का दिन नई उम्मीद लेकर आया। कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित आवास-फ्लैट्स आवंटन समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चिन्हित लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से आवंटन पत्र और घर की चाबी सौंपकर उनके पक्के आशियाने के सपने को साकार किया। जयपुर में 473 परिवारों को आवास आवंटित किए गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पक्का घर केवल छत नहीं, बल्कि परिवार के लिए सम्मान, सुरक्षा, स्थायित्व और बेहतर भविष्य का अधिकार-पत्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू परिवारों के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। ये परिवार समाज की अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके आवास, शिक्षा और अन्य बुनियादी जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य ऐसे परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, ताकि उनका जीवन अधिक स्थिर और सुरक्षित हो सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि जयपुर के जयसिंहपुरा खोर की आवासीय योजना में लाभार्थी परिवारों को एक बेडरूम, हॉल और किचन युक्त आवास दिए गए हैं। वहीं कोटा में 50 फ्लैट और जोधपुर में 80 भूखंड आवंटन के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार केवल कुछ परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि हर जिले में जरूरत का आकलन कर पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की सूची में जोड़ा जा रहा है। इस पहल के जरिए ऐसे परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा

रहा है, जिनका जीवन लंबे समय से स्थायी ठिकाने के अभाव में प्रभावित रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास मिलने से इन परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के साथ अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने का अवसर भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू परिवारों से विशेष रूप से अपील की कि वे अपने बच्चों और युवाओं की शिक्षा पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाकर योग्य बनाया जाए और उन्हें राष्ट्र निर्माण में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए। स्थायी आवास मिलने के बाद बच्चों की शिक्षा को भी निरंतरता मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि जरूरतमंद और पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में घुमंतू, अर्द्धघुमंतू, गाड़िया लोहार एवं कालबेलिया समुदाय के परिवारों को अब तक 838 भूखंड और 106 फ्लैट आवंटित किए जा चुके हैं। वहीं मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना के अंतर्गत 303 परिवार लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ इन परिवारों को भूमि का अधिकार देने की दिशा में भी तेजी से काम किया है। इन समुदायों के परिवारों को अब तक कुल 22 हजार 790 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं। इसके अलावा ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से 15 हजार 412 अतिरिक्त पट्टे भी वितरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विमुक्त, घुमंतू, अर्द्धघुमंतू आवासहीन परिवारों और बीपीएल परिवारों को अब तक 2 लाख 67 हजार से अधिक पट्टे जारी किए जा चुके हैं।

लाठीचार्ज से विद्यार्थियों की आवाज नहीं दबेगी सरकार को जवाब देना होगा : कमलदीप अत्री

हिसार (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड में जेपीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक के विरोध में उतरा। विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज एवं पानी की बौछार किए जाने के विरोध में परिषद के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर गुरुवार को अभाविप जीजेयू इकाई ने सिटी गेट-3 पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने झारखंड सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विद्यार्थियों पर की गई कार्रवाई का विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि परीक्षा में पारदर्शिता और अपने भविष्य की सुरक्षा की मांग करना विद्यार्थियों का लोकतांत्रिक अधिकार है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर बल प्रयोग कर उनकी आवाज दबाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। अभाविप ने जेपीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक के मामलों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। अभाविप जीजेयू अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रांत सोशल मीडिया संयोजक कमलदीप अत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा मामला केवल परीक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि न्याय और पारदर्शिता का सवाल है। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने वाले विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। लाठीचार्ज और पानी की बौछार से विद्यार्थियों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। सरकार को दमन की बजाय संवाद का रास्ता अपनाकर समस्या का समाधान करना चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। अभाविप हिसार नगर मंत्री रोहित ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा में अनियमितता लाखों मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है।

बीकानेर में राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियां जोरों पर

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस में ध्वजारोहण करेंगे। बीकानेर में होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर में और डॉ. प्रेमचन्द बैरवा भीलवाड़ा में ध्वजारोहण करेंगे। इसी तरह डॉ. किरोड़ी लाल सवाई माधोपुर, गजेन्द्र सिंह फलौदी, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जयपुर, मदन दिलावर कोटा, कन्हैया लाल टोंक, जोगाराम पटेल जोधपुर, सुरेश सिंह रावत भरतपुर, अविनाश गहलोत ब्यावर, सुमित गोदारा हनुमानगढ़, जोराराम कुमावत पाली, हेमन्त मीणा प्रतापगढ़, बाबूलाल खराड़ी उदयपुर, संजय शर्मा अलवर, गौतम कुमार चित्तौड़गढ़, झाबर सिंह खर्रा सीकर, हीरालाल नागर बून्दी, ओटा राम देवासी सिरोही, डॉ. मंजू बाघमार नागौर, विजय सिंह डीडवाना-कुचामन, जवाहर सिंह बेढ़म डीग में और जोगेश्वर गर्ग जालौर में ध्वजारोहण करेंगे।

जातिगत भेदभाव की सोच लोकतंत्र के लिए खतरा : जितेंद्र बघेल

चंडीगढ़ (हिंस)। कांग्रेस के हरियाणा सह प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र बघेल ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन के बाद मंच के शुद्धिकरण मामले पर भाजपा सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि जातिगत भेदभाव की सोच लोकतंत्र के लिए खतरा है। बघेल ने घटना को संविधान की समानता और सामाजिक न्याय की भावना के विपरीत बताते हुए कहा कि यदि घटना सामने आए तथ्यों के अनुरूप हुई है तो यह केवल राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि सामाजिक भेदभाव की मानसिकता का गंभीर उदाहरण है। उन्होंने भाजपा से अपना रुख स्पष्ट करने और नैनीताल पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। बघेल ने कहा कि दोष साबित होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे न केवल देश के वरिष्ठतम नेताओं में शामिल हैं, बल्कि वे कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। उनका लंबा सार्वजनिक जीवन सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों के प्रति समर्पित रहा है। संसद से लेकर जन आंदोलनों तक उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया है।

ऐसे वरिष्ठ नेता के जनता को संबोधित करने के बाद मंच का कथित रूप से *शुद्धिकरण* किया जाना केवल राजनीतिक विरोध का विषय नहीं है, बल्कि इससे सामाजिक समरसता और समानता को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनहित से जुड़े अनेक गंभीर मुद्दे हैं। कांग्रेस सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की मूल भावना की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बघेल ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मान का अधिकार देता है तथा छुआछूत को समाप्त करता है।

शिवभक्ति के साथ दिखेगा राष्ट्रभक्ति का रंग भागलपुर से कल निकलेगी भव्य तिरंगा कांवड़ यात्रा

भागलपुर (हिंस)। सावन के पावन महीने में रेशमी नगरी भागलपुर में धार्मिक आस्था और देशभक्ति का एक बेहद अनोखा संगम देखने को मिलेगा। आगामी 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर *भक्त याराना मंडल* की ओर से बाबा बासुकीनाथ धाम के लिए एक भव्य तिरंगा कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित एक प्रेस वार्ता में संस्था के मोंटी जोशी और अन्य पदाधिकारियों ने इसकी विस्तृत रूपरेखा और उद्देश्यों को साझा किया। संस्था के महंत अमित कनोडिया, उप महंत विष्णु वर्मा और संरक्षक अश्वनी जोशी (मोंटी) ने संयुक्त रूप से बताया कि वर्ष 2011 से ही भक्त याराना मंडल इस कांवड़ यात्रा का आयोजन करता आ रहा है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज में सामाजिक समरसता, स्वच्छता और देशभक्ति का संदेश फैलाना है। इसी सोच के तहत शिव भक्ति के साथ राष्ट्रभक्ति को जोड़ते हुए इसे *तिरंगा कांवड़ यात्रा* का स्वरूप दिया गया है। पदाधिकारियों ने बताया कि 14 अगस्त की सुबह सुल्तानगंज स्थित उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र गंगाजल भरकर इस यात्रा की शुरुआत होगी। इसके बाद सभी कांवड़िए खरमनचक स्थित गोकुल धाम पहुंचेंगे। गोकुल धाम में शाम के समय बाबा बासुकीनाथ की एक भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। महाआरती संपन्न होने के बाद ढोल-नगाड़े, भजन मंडली और बाबा बासुकीनाथ की मनमोहक झांकी के साथ 108 कांवड़िए पैदल ही बासुकीनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। देशभक्ति के जज्बे से सराबोर इस यात्रा के दौरान 15 अगस्त को कांवड़ियों का पड़ाव जहां कहीं भी होगा, वहां पूरे सत्कार के साथ ध्वजारोहण किया जाएगा और राष्ट्रगान गाकर स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। इसके अलावा सामाजिक सरोकार निभाते हुए यात्रा के मार्ग में आने वाली स्लम बस्तियों (मलिन बस्तियों) में सहभोज (सामूहिक भोज) का आयोजन होगा और स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। कांवड़ियों की सुरक्षा और सेवा के लिए संस्था के 151 सदस्यों की एक विशेष टीम पूरे रास्ते मुस्तैद रहेगी। प्रेस वार्ता के दौरान संस्था ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से एक महत्वपूर्ण मांग भी की है। संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि भागलपुर से बासुकीनाथ धाम तक कांवड़ियों के चलने के लिए एक अलग कच्चे मार्ग (बालू या मिट्टी वाले रास्ते) का निर्माण किया जाना बेहद जरूरी है। वर्तमान में पक्की और कंकरीली सड़कों पर नंगे पैर लंबी दूरी तय करने के कारण कांवड़ियों को अत्यधिक शारीरिक परेशानियों और छालों का सामना करना पड़ता है।

आज का युवा केवल भारत का भविष्य नहीं, भारत का वर्तमान भी है : स्वतंत्र देव सिंह

वाराणसी (हिंस)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गुरूवार शाम *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से *हर घर तिरंगा यात्रा* निकाली गई। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ परिसर से शुरू हुई यह यात्रा मलदहिया और लहुराबीर चौराहा होते हुए डॉ. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। विशाल तिरंगा यात्रा का नेतृत्व प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने किया। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा, स्थानीय नागरिक और विभिन्न वर्गों के लोग हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए। पूरे मार्ग पर देशभक्ति का उत्साह और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण देखने को मिला। यात्रा के आगे पीएसी एवं पुलिस बैंड चल रहा था। बैंड की देशभक्ति धुनों के बीच तिरंगा लेकर आगे बढ़ रहे विद्यार्थियों और नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यात्रा में शामिल लोग भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे देशभक्ति के नारों के साथ वातावरण को गुंजायमान करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि आज हम तिरंगे को अपने सीने से लगाकर चल रहे हैं। यह केवल भूमि के प्रति प्रेम नहीं, बल्कि उस राष्ट्र के प्रति श्रद्धा है जिसके लिए लाखों वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। यह तिरंगा केवल कपड़े के तीन रंग नहीं है; यह भारत की पहचान है, भारत का स्वाभिमान है, भारत की शक्ति है और भारत के अटूट संकल्प का प्रतीक है। जब तिरंगा हमारे हाथों में हो तो हमें उन वीर जवानों को याद करना चाहिए जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मनों के ठिकानों पर ऐसा प्रहार किया कि पाकिस्तान को दुनिया के सामने झुकना पड़ा। यही वह तिरंगा है जिसके नीचे खड़े होकर हमारे सैनिक सियाचिन की बर्फीली चोटियों से लेकर राजस्थान की तपती सीमाओं

तक दिन-रात देश की रक्षा करते हैं। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि यही वह तिरंगा है जिसकी पहचान लेकर भारत का चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप उतरा और पूरी दुनिया ने भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा का लोहा माना। यही तिरंगा मंगलयान के माध्यम से अंतरिक्ष में भारत की क्षमता का डंका बजाता है। जब हमारे प्रधानमंत्री विदेश यात्राओं पर जाते हैं तो विदेशी धरती पर यही तिरंगा भारत के सम्मान, सामर्थ्य और बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रतीक बनकर शान से लहराता है। इसे देखकर हर भारतीय का मस्तक गर्व से ऊंचा हो जाता है और विश्वास मजबूत होता है कि भारत किसी से कम नहीं है और भारत किसी के सामने झुकने वाला नहीं है। यही तिरंगा कॉमनवेल्थ गेम्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हमारे खिलाड़ियों की विजय के साथ विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ाता है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भी यही तिरंगा विश्व के सामने भारत के नेतृत्व और बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रतीक बनकर उभरा। आज देश का युवा अपनी मेहनत, अपने सपनों और अपने करियर को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का संकल्प ले रहा है। यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि स्वाभिमान की यात्रा है, संकल्प की यात्रा है और विकसित भारत के निर्माण की यात्रा है। काशी की सड़कों पर एक साथ लहराते तिरंगे और गूंजते देशभक्ति के नारों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले शहर के माहौल को पूरी तरह राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। यात्रा में शामिल लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान के साथ हाथों में थामकर देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी भावना प्रकट की। इस दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस एवं संबंधित विभागों की ओर से भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी, चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का दौर लगातार जारी है। शुरुआती कारोबार के दौरान भी सोना और महंगा होकर कारोबार कर रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,0400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 5400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है। सोना के विपरीत हाजिर चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है।

कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली कमजोरी आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एफडीए ने डोमिनोज के चार आउटलेट्स फूड बिजनेस के लाइसेंस किए निलंबित, पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई में कमियां मिलीं

मुंबई। महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी और साफ-सफाई के नियमों के उल्लंघन के मामले में राज्य के एफडीए ने डोमिनोज पिज्जा के चार आउटलेट्स के फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें तीन आउटलेट मुंबई और एक सतारा जिले में है। महाराष्ट्र एफडीए के प्रमुख एआईएस अधिकारी तुकाराम मुंडे ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य में चेन रेस्टोरेंट्स के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। एफडीए की टीमों ने अलग-अलग आउटलेट्स का निरीक्षण कर वहां खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े नियमों की जांच की। एफडीए ने बताया कि चेन रेस्टोरेंट के खिलाफ स्पेशल ड्राइव के दौरान विले पार्ले वेस्ट, बोरीवली वेस्ट और घाटकोपर वेस्ट के आर-सिटी माल में जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट्स के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। एफडीए ने कहा कि विले पार्ले के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में एफएसएसएआई लाइसेंस दिखाने, पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई की सुविधाओं से जुड़ी कमियां पाई गईं।

पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को सेबी का नोटिस, कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से नोटिस मिला है। यह नोटिस दिसंबर 2023 में छोटे पर्सनल लोन को लेकर कंपनी की घोषणा के समय से जुड़ा है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा और सीएफओ मधुर देवड़ा समेत कंपनी के कुछ प्रमुख अधिकारियों को सेबी का शो-काज नोटिस मिला। अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है। पेटीएम ने 6 दिसंबर 2023 को बताया था कि वह 50,000 से कम के पर्सनल लोन देने की संख्या कम करेगी। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से पर्सनल लोन से जुड़े नियमों को सख्त किए जाने के बाद लिया गया था। आरबीआई ने इससे करीब तीन सप्ताह पहले बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए छोटे और असुरक्षित पर्सनल लोन पर पूंजी संबंधी जरूरतें बढ़ाई थीं। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ रहे छोटे कर्ज से जुड़े जोखिम को नियंत्रित करना था। पेटीएम की घोषणा के अगले कारोबारी दिन कंपनी के शेयर में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि कंपनी के मुताबिक घोषणा से पहले के आठ कारोबारी दिनों में भी पेटीएम के शेयर करीब 12 फीसदी गिर चुके थे। सेबी का नोटिस मुख्य रूप से इस बात से जुड़ा है कि पेटीएम ने छोटे पर्सनल लोन कम करने की जानकारी बाजार को किस समय दी थी।

गूगल की फिक्सल11 सीरीज लान्च, डिवाइस में जेमिनी एआई जोड़ा, 120एक्स जूम, भारत में फिक्सल11 की शुरुआती कीमत 89,999 रुपए

नई दिल्ली। गूगल ने अपने मेड बाय गूगल 2026 इवेंट में नई फिक्सल11 सीरीज के साथ फिक्सल वाच 5,

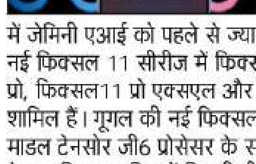

फिक्सल टैग और फिक्सल बुड्स के लिए कई नए फीचर्स पेश किए हैं। इस बार कंपनी ने अपने नए डिवाइस में जेमिनी एआई को पहले से ज्यादा गहराई से जोड़ा है। नई फिक्सल 11 सीरीज में फिक्सल11, फिक्सल11 प्रो, फिक्सल11 प्रो एक्सएल और फिक्सल11 प्रो फोल्ड शामिल हैं। गूगल की नई फिक्सल11 सीरीज के सभी माडल टेनसोर जी6 प्रोसेसर के साथ आते हैं। कंपनी के मुताबिक नए चिप में पिछली पीढ़ी की तुलना में 50 फीसदी ज्यादा टीपीयू क्षमता है। डिवाइस में जेमिनी नेनो का नया वर्जन भी दिया गया है, जिससे फोन पर एआई से जुड़े काम तेजी से किए जा सकेंगे। फिक्सल11 में 48 मेगापिक्सल का नया मुख्य कैमरा सेंसर दिया गया है। इसमें बेहतर लो-लाइट परफार्मेंस के साथ 5एक्स टेलीफोटो कैमरा मिलता है, जो 30एक्स सुपर जूम तक सपोर्ट करता है। वहीं फिक्सल11 प्रो और फिक्सल11 प्रो एक्सएल में बड़ा मुख्य कैमरा सेंसर और 48 मेगापिक्सल का टेलीफोटो कैमरा दिया गया है। ये फोन 120एक्स प्रो जूम तक सपोर्ट करते हैं। कंपनी ने कैमरा बार का डिजाइन भी पहले से पतला किया है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला क्रेडेंट कनेक्ट का आईपीओ, 20 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

डायग्नोस्टिक लैब, आईवीडी और फार्मास्यूटिकल फर्म्स, क्लीनिक्स और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों को इंटिग्रेटेड लाजिस्टिक्स, ह्यूमन रिसोर्स और टेक्नोलाजी बेस्ड सर्विस देने वाली कंपनी क्रेडेंट कनेक्ट एंड केयर का 93.90 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 17 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 19 अगस्त को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 20 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लान्चिंग के बाद पहले दिन कुछ घंटे में ही ये आईपीओ फुली सब्सक्राइब हो गया। शाम 3:40 बजे तक इस पब्लिक इश्यू को 1.76 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 179 रुपये से लेकर 189 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,26,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 49.68 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 26.60 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 46.46 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 19.87 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 7.07 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। हेम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

क्रेडेंट कनेक्ट एंड केयर की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 2.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

हालांकि, इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में थोड़ी बढ़ोतरी जरूर हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 76.02 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 78.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 6.85 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 7.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 13.66 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसके अगले साल यानी 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 15.90 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 13.46 करोड़ रुपये के स्तर पर था। वहीं 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस जबरदस्त उछाल के साथ 15.70 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 4.30 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 4.99 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

बैंक आफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदेगा

नई दिल्ली

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और बैंक आफ अमेरिका ने जियो क्रेडिट लिमिटेड में संयुक्त उद्यम के लिए समझौता किया है। जिओ फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया कि बैंक आफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी तक हिस्सेदारी ले सकता है। इक्विटी शेयर और वारंट पूरी तरह सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा। सौदे को नियामकीय और वैधानिक मंजूरियां मिलनी अभी शेष हैं।

सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा

पहले चरण में बैंक आफ अमेरिका को जियो क्रेडिट में 26.5 फीसदी इक्विटी की हिस्सेदारी मिलेगी। वारंट के इस्तेमाल के बाद यह बढ़कर 49.9 फीसदी तक पहुंच सकती है। सौदे के बाद जियो क्रेडिट के बोर्ड में जेएफएसएल और बैंक आफ अमेरिका का समान प्रतिनिधित्व होगा, जबकि कंपनी की मौजूदा प्रबंधन टीम कारोबार को संभालती रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जियो क्रेडिट का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) महज दो साल में 30,667 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी रिटेल, कमर्शियल और सप्लाई चेन फाइनेंस समेत कई ऋण उत्पादों पर काम करती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा के लिए ऐसा वित्तीय तंत्र जरूरी है जो बड़े पैमाने, भरोसे और समावेश पर आधारित हो।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंक आफ अमेरिका की साझेदारी प्रौद्योगिकी और वैश्विक विशेषज्ञता के जरिये भारतीयों के लिए कर्ज को ज्यादा आसान, पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में अहम कदम है।

बैंक आफ अमेरिका के चेयर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रायन मोयनिहान ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे अहम बढ़ते बाजारों में से एक है और यह निवेश उसके भविष्य में हमारे भरोसे को दर्शाता है। जियो फाइनेंशियल ने बहुत कम समय में उल्लेखनीय विस्तार किया है।

दोनों कंपनियों की ताकत मिलकर वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और भारत की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने में मदद करेगी।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में 34.3 प्रतिशत बढ़कर 4,57,810 इकाई हुई : सियाम

नई दिल्ली। भारत में आटोमोबाइल उद्योग पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद पूरी रफ्तार से दौड़ रहा है। जुलाई में वाहनों की बिक्री अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर रही है। इसमें यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है, जिससे घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 34.3 फीसदी का उछाल आया है। उद्योग संगठन सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने आंकड़ों के जरिये बताया कि घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 34.3 फीसदी बढ़कर 4,57,810 इकाई पर पहुंच गई। यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई, 2025 में 3,40,772 इकाई रही थी। इसी तरह जुलाई महीने में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 22.6 फीसदी बढ़कर 19,23,483 इकाई रही, जबकि जुलाई 2025 में यह 15,69,120 इकाई रही थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी जुलाई में 33.4 फीसदी बढ़कर 92,560 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 69,403 इकाई थी।

चंद्रशेखरन के पद छोड़ने के बाद टाटा चेयरमैन की दौड़ शुरु, नरेंद्रन का नाम चर्चा में

नई दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के पद छोड़ने की घोषणा के साथ ही उनकी जगह लेने दौड़ शुरू हो गई है। शीर्ष पद की दौड़ में टाटा स्टील के टीवी नरेंद्रन का नाम उभरकर सामने आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस पद के लिए टाटा कंपनियों के प्रमुखों, बोर्ड सदस्यों के साथ ही बाहरी उम्मीदवारों पर भी विचार किया जा सकता है।

मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी के अंदर चर्चित दावेदारों में टीवी नरेंद्रन, टाटा संस के मुख्य वित्त अधिकारी सौरभ अग्रवाल और टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शैलेश चंद्र शामिल हैं। टाटा संस में उत्तराधिकारी चुनना कोई आसान प्रक्रिया नहीं है।

टाटा संस के आर्टिकल आफ एसोसिएशन के आर्टिकल 118 के मुताबिक चेयरमैन की नियुक्ति के लिए चयन समिति बनानी होती है। साइरस मिस्त्री की नियुक्ति के समय इसी प्रक्रिया का पालन किया गया था। इसी तरह मिस्त्री को हटाए जाने के बाद पांच सदस्यों वाली एक चयन समिति बनाई गई, जिसने बाद में एन चंद्रशेखरन के नाम पर मुहर लगाई।

चंद्रा उस समय टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के प्रबंध निदेशक और सीईओ थे। मिस्त्री के मामले से अलग इस बार टाटा संस के पास उत्तराधिकारी की घोषणा करने के लिए सात महीने का समय है।

कानून के जानकारों का कहना है कि अगर चयन समिति किसी वजह से किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाती है तो जरूरी हालात को देखते हुए नोएल टाटा कंपनी के अंतरिम चेयरमैन बन सकते हैं। मिस्त्री को अचानक हटाए जाने के बाद 2016 में रतन टाटा ने टाटा संस के अंतरिम चेयरमैन का पद संभाला था।

सुप्रीम कोर्ट में वकील एच पी रनिना ने कहा कि सबसे अहम बात तलाश या चयन समिति का गठन है। यह समिति व्यक्ति का नाम तय करेगी और फिर उसकी सिफारिश टाटा संस के बोर्ड से की जाएगी।

वकीलों ने इस बात का भी उल्लेख किया कि चंद्रशेखरन ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा है कि वे फरवरी 2027 में दोबारा नियुक्ति के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। समस्या यह है कि उन्होंने पहले ही नोटिस दे दिया है। इसलिए वे अहम फैसले नहीं लेंगे।

अब टाटा संस के बाकी निदेशकों को अगले 5 से 6 महीनों तक या नए चेयरमैन नियुक्त होने तक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। रनिना ने कहा कि चूंकि निदेशकों को कारपोरेट गवर्नेंस के सिद्धांतों का पालन करना होता है इसलिए वे टाटा संस को सही दिशा देते रहेंगे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में चिप स्टाक्स में आई तेजी के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,748.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 143.04 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की उछाल के साथ 26,588.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 53,752.99 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,833.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,674.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत टूट कर 26,331.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत लुढ़क कर 24,408.50 अंक के स्तर पर काम कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.45 प्रतिशत फिसल कर 5,694.77 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.02 प्रतिशत गिर कर 6,308.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,622.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत उछल कर 3,963.15 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 290.50 अंक यानी 4.42 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,869.54 अंक के स्तर पर आ गया है।

टोक्यो स्टाक एक्सचेंज के निक्केई इंडेक्स में भी जबरदस्त बढ़त बनी हुई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,172.94 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की उछाल के साथ 68,697 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 460.05 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,978.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.07 प्रतिशत उछल कर 25,457 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूईएफए सुपर कप: पीएसजी ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर खिताब बरकरार रखा

साल्जबर्ग

चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पीएसजी की जीत में ख्विचा क्वारात्सखेलिया और देसिरे डुए ने गोल किए, जबकि एस्टन विला की ओर से 17 वर्षीय ब्रायन मैडजो ने गोल दागा।

पीएसजी ने 12 महीने पहले टोटेनहम हाटस्पर को हराकर पहली बार सुपर कप जीता था। इस बार भी टीम ने प्रीमियर लीग की एक अन्य टीम को मात देकर यूरोप की शीर्ष क्लब टीम के रूप में अपना दबदबा कायम रखा।

दोनों टीमों ने अपने घरेलू सत्र की शुरुआत से पहले मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारी। पीएसजी की शुरुआती टीम में चैंपियंस लीग फाइनल में खेलने वाले नौ खिलाड़ी शामिल थे।

मैच का पहला गोल 20वें मिनट में आया। क्वारात्सखेलिया ने बाएं छोर से अंदर की ओर आते हुए शानदार शाट लगाया, जिसे एस्टन विला के गोलकीपर मार्को बिजोट रोक नहीं सके। पीएसजी ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, एस्टन विला ने हार नहीं मानी। 17 वर्षीय मैडजो ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में कप्तान जान मैकगिन के शानदार पास का फायदा उठाते हुए गेंद को पीएसजी के गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर आ गया।

दूसरे हाफ में पीएसजी ने आक्रामक शुरुआत की। 61वें मिनट में फ्रांस के देसिरे डुए ने दाएं छोर से आगे बढ़ते हुए शानदार फिनिश के साथ गेंद को विला के गोल में पहुंचा दिया।

हालांकि सहायक रेफरी ने शुरुआत में आफसाइड का संकेत दिया, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद गोल को मान्य कर दिया गया। समीक्षा में पाया गया कि एस्टन विला के डिफेंडर मैटी कैश ने डुए को आनसाइड रखा था।

इसके बाद एस्टन विला ने बराबरी की भरपूर कोशिश की। जार्ज हेमिंग्स और जान मैकगिन के पास अच्छे मौके आए, लेकिन पीएसजी के गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार बचाव करते हुए अपनी टीम की बढ़त बरकरार रखी।

मैच के अंतिम चरण में एस्टन विला लगातार हमले करता रहा। टैमी अब्राहम के पास भी बराबरी का बेहतरीन मौका आया, लेकिन वह गोल के सामने मिले पास को छूने से मामूली अंतर से चूक गए। पीएसजी ने आखिरी मिनटों में दबाव झेलते हुए 2-1 की बढ़त कायम रखी और लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप जीत लिया। अब पीएसजी की नजरें नए सत्र में लगातार तीसरी चैंपियंस लीग ट्राफी जीतने पर होंगी।

न्यूज ब्रीफ

30 की उम्र में इंग्लैंड के आलराउंडर लैंब ने खेल को अलविदा कहा

लंदन। इंग्लैंड के आलराउंडर डैनी लैंब ने केवल 30 साल की उम्र में ही खेल को अलविदा कह दिया है। इस सत्र की शुरुआत में ही लैंब की गर्दन में दर्द उठा था जिसके बाद जांच में पाया गया कि उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट आई है। पिछले महीने सर्जरी के बाद भी ये पाया गया कि इस गेंदबाज की चोट गंभीर है और उनके लिए खेल जारी रखना ठीम नहीं है। जिसके बाद लैंब ने संन्यास की घोषणा कर दी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लैंब ने इस कठिन फैसले को लेकर कहा, चोट के कारण करियर का समाप्त होना बहुत दुखद और कठिन फैसला है। डाक्टरों की सलाह के बाद मुझे पता है कि मेरी सेहत के लिए यह सही फैसला है। उन्होंने लंकाशायर और ससेक्स दोनों का ही आभार जताते हुए कहा कि अवसर देने के लिए मैं आभारी हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने हमेशा टीम के लिए अपना सब कुछ दिया और जीत में सहायता करने के प्रयास किये। गौरतलब है कि लैंब ने साल 2023 में ससेक्स जाने से पहले लंकाशायर की ओर से सभी प्रारुपों में 93 मैच खेले थे। ससेक्स में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप के डिवीजन वन में टीम के प्रमोशन और टी20 ब्लास्ट में फाइनल्स डे तक पहुँचने में भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं ससेक्स के मुख्य कोच और क्रिकेट डायरेक्टर पाल फारब्रेस ने लैंब के योगदान की सराहना करते हुए कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए उस खेल से रिटायर होना हमेशा दुखद होता है, और अगर ऐसा चोट की वजह से हो, तो यह और भी मुश्किल होता है।

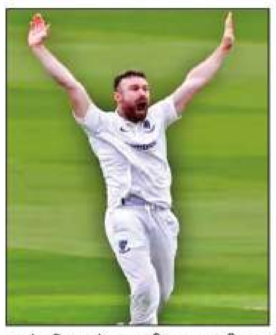

सभी गोल्फरों को आईजीपीएल में खेलने की अनुमति दी जाये: जीव

नई दिल्ली। देश के शीर्ष गोल्फरों में शामिल जीव मिल्खा सिंह ने कपिल देव के नेतृत्व वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) से अपील की है कि वह सभी गोल्फरों को इस नई लीग में भाग लेने का अवसर दे। जीव के अनुसार सभी खिलाड़ियों को अच्छी कमाई करने और अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलना चाहिये। जीव ने से अपील इसलिए की है क्योंकि भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) ने आईजीपीएल में खेलने वाले गोल्फरों के अपनी प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर रोक लगा दी है जिससे गोल्फरों के सामने संशय बना हुआ है। जीव ने माना है हर टूर के अपने अलग नियम और खिलाड़ियों से की जाने वाली प्रतिबद्धताएं होती हैं पर उन्होंने कहा कि एक बार जब कोई खिलाड़ी अपने प्राथमिक टूर के प्रति अपनी सभी निर्धारित प्रतिबद्धताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लेता है, तो उसे अन्य रास्तों और व्यावसायिक अवसरों की तलाश करने से रोकना सही नहीं है।

शुभमन बन सकते हैं डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय

गाल। भारतीय क्रिकेट टीम 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच के लिए मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की नजरें इस सीरीज में जीत हासिल करने पर रहेंगी। इसका कारण ये है कि ये सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। शुभमन के पास इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का अवसर है। शुभमन ने अब तक डब्ल्यूटीसी में खेले 40 टेस्ट मैचों में 2843 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शानदार शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। यदि वह श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट मैच में 157 रन और बना देते हैं तो वह इसमें 3000 रन का आंकड़ा हासिल करने वाले एक विशेष क्लब का हिस्सा बन जाएंगे। इसके अलावा वह डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बन जाएंगे। अभी वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। डब्ल्यूटीसी में भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो शुभमन के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और दिग्गज रोहित शर्मा का नाम आता है। ऋषभ ने अपने 40 टेस्ट मैचों की 71 पारियों में 2780 रन बनाए हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 40 मैचों में 2,716 रन का योगदान दिया है। इसमें सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट के नाम है। रुट ने अब तक 77 मैचों में 6651 रन बनाये हैं। शुभमन इसके अलावा वह एक और अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर सकते हैं। वह डब्ल्यूटीसी के एक संस्करण में बतौर भारतीय कप्तान 1,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। मौजूदा 2025-27 संस्करण में, गिल ने भारत के कप्तान के तौर पर 8 मैचों में अब तक 950 रन बनाए हैं।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 17 अगस्त से, आईओए ने दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों का किया स्वागत

नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए दुनिया भर के बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का स्वागत किया है।

विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को एक मंच पर लाने वाली यह चैंपियनशिप खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल है। इसके आयोजन के साथ भारत ने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए खुद को एक भरोसेमंद और सक्षम देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि चैंपियनशिप की सफल मेजबानी भारत सरकार के निरंतर सहयोग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के खेल तंत्र को मजबूत करने तथा भारत को वैश्विक खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। खेल बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास, उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में लगातार निवेश के माध्यम से भारत ने विश्व खेल मंच पर अपनी स्थिति मजबूत की है। भारत में इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी से न केवल देश की आयोजन क्षमता का प्रदर्शन होता है, बल्कि युवा पीढ़ी को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है। साथ ही खिलाड़ियों और अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत तैयार होती है।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. उषा ने कहा, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 भारत की खेल यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमें विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का नई दिल्ली में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। भारत ने लगातार यह साबित किया है कि वह बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की उच्चतम मानकों के साथ मेजबानी करने में सक्षम है और यह चैंपियनशिप ओलंपिक आंदोलन तथा खेल के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा, भारत में आयोजित होने वाला प्रत्येक बड़ा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन एक स्थायी विरासत तैयार करता है। यह हमारे खेल तंत्र को मजबूत करता है, युवाओं को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और हमारे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों तथा खेल प्रशासकों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोगों से सीखने और उनके साथ जुड़ने के अमूल्य अवसर प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि भारत आने वाला हर व्यक्ति यहां की गर्मजोशी, आतिथ्य, व्यावसायिकता और खेल के प्रति जुनून का अनुभव करेगा।

बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इंडिया (बीएआई) ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ), भारत सरकार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडिया और दर्शकों के लिए विश्व स्तरीय प्रतियोगिता और बेहतर अनुभव सुनिश्चित करना है।

आईओए ने कहा कि वह भारत सरकार, राष्ट्रीय खेल महासंघों, राज्य ओलंपिक संघों और अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के साथ मिलकर भारत में और अधिक विश्व स्तरीय खेल आयोजनों को लाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों, तकनीकी अधिकारियों, प्रशासकों, स्वयंसेवकों और खेल प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी के लिए नए अवसर पैदा करते हैं।

पी.वी. सिंधु करेंगी भारतीय चुनौती की अगुआई

घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय दल से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधु भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। मेजबान देश को उम्मीद है कि सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों और दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर शानदार प्रदर्शन करेंगे।

आईओए ने कहा कि चैंपियनशिप भारतीय खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों, आयोजन प्रबंधकों और स्वयंसेवकों को दुनिया के शीर्ष स्तर की प्रतियोगिता का अमूल्य अनुभव प्रदान करेगी। इससे भारत में भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के आयोजन के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और अनुभव को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

चैंपियनशिप भारत की वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी की क्षमता को भी मजबूती प्रदान करेगी। आईओए ने दोहराया कि वह अपने साझेदारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि खेल उत्कृष्टता को प्रेरित करने, अंतरराष्ट्रीय मित्रता को बढ़ावा देने और भारत को दुनिया के प्रमुख खेल राष्ट्रों में शामिल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे।

अब बिना किसी ठोस लक्ष्य के टी20 सीरीज आयोजित करने पर रोक लगेगी: आईसीसी

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी संजोग गुप्ता ने कहा है अब ऐसी सभी द्विपक्षीय सीरीज बंद कर दी जाएंगी जिनका कोई लक्ष्य नहीं है। गुप्ता के अनुसार ऐसी सभी टी20 सीरीज का अब कोई भविष्य नहीं है और वे जल्द ही समाप्त कर दी जाएंगी। उनका ये बयान एक ऐसे समय में आया है जब क्रिकेट जगत खिलाड़ियों की चोटों से परेशान और है और ऐसे में खेल के तीनों प्रारूपों की प्रासंगिकता पर सवाल उठ रहे हैं। गत वर्ष जुलाई में आईसीसी सीईओ बनने के बाद से ही गुप्ता ने कई बदलाव किये हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में तेजी से फैलती विभिन्न टी20 लीगों के बीच ही टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

इसी को लेकर उन्होंने कहा कि बिना किसी बड़े लक्ष्य या प्रासंगिक कारणों से आयोजित होने वाली द्विपक्षीय टी20 सीरीज खेलने से कोई लाभ नहीं है। इनके कार्यक्रम सदस्य देशों के क्रिकेट बोर्ड स्वयं तय करते हैं। गुप्ता के अनुसार, ऐसी सीरीज का अब कोई मतलब नहीं रह गया है। इससे इन्हें जारी नहीं रखा जा सकता।

गुप्ता का मानना है कि एकदिवसीय क्रिकेट को केवल अपन अस्तित्व बनाए रखने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे मजबूती से आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये।

टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को प्रासंगिक बनाना जरुरी

उन्होंने कहा कि इस प्रारूप की अपनी एक स्पष्ट भूमिका जरुरी है जो विशेष रूप से आईसीसी क्रिकेट विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों से जुड़ी रहेगी।

गौरतलब है कि आईसीसी में विश्व कप से पहले एकदिवसीय क्रिकेट के लिए एक अलग और समर्पित विंडो तैयार करने पर भी बात चल रही है जिससे इस प्रारूप को पर्याप्त महत्व मिल सके और खिलाड़ी किसी अन्य सीरीज हो छोड़े बिना आसान से इसमें भाग ले सकें।

टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर भी उन्होंने अपनी चिंताएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, केवल भारत, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसे बड़े क्रिकेट बोर्ड ही टेस्ट क्रिकेट का भार उठा पा रहे हैं।

वहीं अन्य सदस्य देशों के लिए इसे आर्थिक रूप से फायदे का प्रारुप बनाना एक बड़ी चुनौती है, जिससे इस प्रारूप की वैश्विक पहुँच सीमित हो रही है। साथ ही कहा कि टी20 लीगों की बढ़ती लोकप्रियता से निश्चित रूप से एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट दोनों का आकर्षण कम हुआ है और प्रशंसकों और खिलाड़ियों दोनों का ध्यान छोटे प्रारूपों की ओर गया है।

हाकी विश्व कप 2026 में बदले प्रारुप के कारण बढ़ेगा रोमांच

ब्रूसेल्स। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स की संयुक्त मेजबानी में होने वाले पुरुष और महिला विश्व कप में इस बार प्रारुप में बदलाव किया गया है। इसके तहत अब पारंपरिक क्वार्टर फाइनल मुकाबले नहीं होंगे। यह एक बड़ा बदलाव है जो टीमों को शुरुआती चरण से ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में रहने पर मजबूर करेगा, क्योंकि अब हर मैच के परिणाम का प्रभाव सीधे सेमीफाइनल की राह तय करेगा। इससे हर मुकाबले का महत्व पहले से बढ़ गया है। अब नए प्रारुप के तहत, पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के चार पूल में बांटा गया है। शुरुआती चरण में, हर टीम अपने पूल की बाकी तीन टीमों से खेलेगी। इसके बाद, पूल ए और डी की शीर्ष दो-दो टीमें मिलकर पूल ई बनाएंगी, जबकि पूल बी और सी की शीर्ष दो टीमें पूल एल में जगह बनाएंगी। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि पहले चरण में एक ही मूल पूल से आगे बढ़ने वाली दो टीमों के बीच हुए मुकाबले का परिणाम और अंक दूसरे चरण की अंक तालिका में सीधे आगे ले जाए जाएंगे।

सिंकफील्ड कप: प्रज्ञानानंद को कीमर ने दी मात तीसरे दौर के बाद चौथे स्थान पर खिसकेलो

सेंटलु

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद की सिंकफील्ड कप 2026 में अजेय शुरुआत तीसरे दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार के साथ समाप्त हो गई। काले मोहरों से खेल रहे 21 वर्षीय प्रज्ञानानंद को रोमानिया के सुपर चेस क्लासिक के चैंपियन कीमर ने शिकस्त दी।

इस हार के बाद प्रज्ञानानंद 1.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके साथ अमेरिका के फैबियानो करूआना, जर्मनी के विंसेंट कीमर और अमेरिका के सैम सेवियन भी संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन फैबियानो करूआना को हराकर प्रतियोगिता में एकमात्र बढ़त हासिल कर ली है। सो के खाते में 2.5 अंक हैं।

फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने क्रमश: जावोखिर सिंदारोव और जार्डन वान फोरेस्ट के खिलाफ मुकाबले ड्रा खेले। दोनों खिलाड़ी तीन दौर के बाद दो-दो अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

कैर्न्स कप में दिव्या तीसरे स्थान पर

उधर, कैर्न्स कप में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड की ग्रैंडमास्टर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया।

दिव्या की इस जीत के साथ उनके खाते में दो अंक हो गए हैं। वहीं, कोस्टेनियुक को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा और वह अंक तालिका में पिछड़ गई हैं।

चीन की तान झोंगयी और अमेरिका की एलिस ली 2.5-2.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दिव्या अब संयुक्त शीर्ष स्थान से सिर्फ आधा अंक पीछे हैं।

हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है: आयुष बडोनी

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। टीम के कप्तान आयुष बडोनी ने जीत के बाद टीम के सकारात्मक रवैये और मजबूत वापसी की क्षमता की जमकर तारीफ की।

बडोनी ने मैच के बाद कहा, यह हमारे लिए बहुत अच्छी जीत है। हम पहले दो मैच हार गए थे, लेकिन टीम का माहौल पूरे समय सकारात्मक रहा। हमारी टीम की सबसे अच्छी बात यही है कि हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है। आज हमने वही करके दिखाया।

उन्होंने जीत की नींव रखने वाली सलामी साझेदारी की भी सराहना की। बडोनी ने कहा, सलामी जोड़ी ने शानदार मंच तैयार किया। सनत और अनमोल दोनों ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और उनसे जो उम्मीद थी, उस पर खरे उतरे।

बडोनी ने आते ही बदला मैच का रुख

बडोनी ने अपनी आक्रामक पारी के बारे में कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी और टीम के पास लंबी बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए उन्होंने रन गति बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए आया तो मुझे महसूस हुआ कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। हमारे पास लंबी बल्लेबाजी क्रम है, इसलिए मैंने रन गति बढ़ाने के बारे में सोचा। बडोनी ने अपनी पारी के दौरान लगातार तीन छक्के लगाकर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। साउथ दिल्ली के तेज गेंदबाज अंशुमान हुड्डा की तारीफ करते हुए

बडोनी ने कहा, अंशुमान हमारे लिए बेहद आक्रामक गेंदबाज रहे हैं। वह महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लेते हैं और मैं खुश हूं कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं। मेरा मानना है कि उनके पास पर्पल कैप जीतने का शानदार मौका है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

हुड्डा के चार विकेट, ईस्ट दिल्ली ने बनाए 191 रन

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 191 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज वंश मेहरा ने 16 गेंदों पर 27 रन बनाए, जबकि अर्पित राणा के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि, मध्यक्रम में लगातार विकेट गिरने से राइडर्स का स्कोर 102 रन पर चार विकेट हो गया। इसके बाद सुजल सिंह ने नाबाद 63 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। उन्होंने 39 गेंदों का सामना किया। सुजल ने सूर्यांश रैना के साथ पांचवें विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की और टीम को 190 रन के करीब पहुंचाया। साउथ दिल्ली की ओर से अंशुमान हुड्डा ने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए थे।

सनत-अनमोल ने रखी जीत की मजबूत नींव

192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार शुरुआत की थी। सनत संगवान और अनमोल शर्मा ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 11 ओवर में 113 रन की साझेदारी की। सनत ने 33 गेंदों पर 57 रन बनाए। सनत के आउट होने के बाद कप्तान बडोनी ने मोर्चा संभाला और आते ही आक्रामक रुख अपनाया। बडोनी और अनमोल ने मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। साउथ दिल्ली ने तीन ओवर से अधिक शेष रहते नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

एंटीबायोटिक के सेवन से बच्चों में एक्जिमा का खतरा

एंटीबायोटिक दवाएं शरीर में होने वाले किसी भी तरह के बैक्टीरियल इंफेक्शन को आगे फैलने से रोकती है। लेकिन अधिकतर लोगों को इसके सही तरीके से सेवन करते है। यहां तक कि बच्चे को वायरल इन्फेक्शन में भी एंटीबायोटिक दवाइयां देते हैं। लेकिन क्या आप जानते है कि छोटे बच्चों को एंटीबायोटिक देने से आगे चलकर उनमें एक्जिमा होने का खतरा बढ़ सकता है। एक अध्ययन के नतीजों में शोधकर्ताओं ने यह चेतावनी दी है। शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन बच्चों को दो साल की उम्र से पहले एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती है, उन्हें बड़े होने पर एक्जिमा होने का 41 प्रतिशत से 56 प्रतिशत तक ज्यादा खतरा होता है। एक्जिमा त्वचा में दर्दयुक्त एलर्जी से जुड़ी बीमारी है। शोधकर्ताओं का मानना है कि बच्चों को काफी कम उम्र में एंटीबायोटिक देने से उनके पेट में कुदरती तौर पर मौजूद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इस स्थिति में उनका प्रतिरक्षा तंत्र हानिकारक बैक्टीरिया और रोगाणुओं से प्रभावी तरीके से निपटने में नाकाम हो जाता है। ऐसे बच्चे जब फूलों के पराग जैसे किसी अपेक्षाकृत हानिरहित बाहरी पदार्थ के संपर्क में आते हैं, तब उनका प्रतिरक्षा तंत्र अत्यधिक प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, जिससे एलर्जी शुरू हो जाती है।

अपेंडिक्स के बारे में जरूरी बातें

अपेंडिक्स का दर्द काफी दर्दनाक होता है क्योंकि इस समस्या के दौरान डॉक्टरों के लिए भी ये पता लगाना मुश्किल होता है कि ये अपेंडिक्स का दर्द है या किसी और का। डॉक्टर कहते हैं कि सामान्य तौर पर अपेंडिक्स का इलाज सर्जिकल होता है लेकिन मरीज को शुरुआती समय में ही अच्छा एंटीबायोटिक देने और पूरा आराम देने पर भी अच्छा परिणाम देखने को मिलता है।

प्राकृतिक उत्पाद भी हो सकते हैं जहरीले

क्या आप नैचुरल प्रोडक्ट खरीदने के लिए अपना एक्स्ट्रा समय और एक्स्ट्रा पैसे खर्च करते हैं? ऑर्गेनिक शैम्पू ऑर्गेनिक टूथपेस्ट बोटेनिकल शैम्पू हर्बल फेशवॉश? आदि ऐसे ही कई हर्बल प्रोडक्ट खरीदने में अपना समय बिताते हैं और सोचते हैं कि इससे तो आप नुकसानदायक और दुष्प्रभावी कीटाणुओं से बच जाएंगे। लेकिन आप गलत हैं। क्योंकि हर वो चीज, जिस पर सेफ और नैचुरल का टैग लिखा होता है, जरूरी नहीं की सुरक्षित हो। फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कहता है कि इस तरह के टैग, जैसे की नैचुरल, सेफ, रिकमेंडेड और टेस्टेड, पूरी तरह से मार्केटिंग के शब्द है जिसका मतलब होता है कुछ भी या कुछ भी नहीं। साधारण सी बात है कि इन प्रोडक्ट को बनाने वालों को ऐसा दावा करने के लिए किसी भी प्रूफ की जरूरत नहीं होती। बल्कि इन शब्दों से उनकी बिक्री ही बढ़ती है जिस कारण इन शब्दों का इस्तेमाल आजकल हर प्रोडक्ट में किया जाता है।

निजी केयर प्रोडक्ट: निजी केयर प्रोडक्ट जैसे की शैम्पू, शेविंग क्रीम, टूथपेस्ट आदि अन्य मेकअप के सामान कॉस्मेटिक में आते हैं। कॉस्मेटिक शब्द का मतलब हम समझते हैं हेल्दी और हाईजीन प्रोडक्ट। जबकि फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) इनको रेग्युलेट नहीं करती और ना ही इन प्रोडक्ट को ऐसा कोई लेबल देती है। एफडीए कहता है कि कास्मेटिक बनाने वाली कंपनी किसी भी तरह की सामग्री या कच्चा मटेरियल इस्तेमाल करती है। और इन बने हुए प्रोडक्ट को बिना किसी सरकारी अप्रूवल के बेचती है। ऐसे में आब आपके दिमाग में ये सवाल आ रहा होगा कि फिर इन्हें खरीदने लायक सुरक्षित होने का अफवाह कौन उड़ाता होगा?

89% सामग्री सुरक्षित नहीं: कॉस्मेटिक इंग्रिडियेंट रिव्यु (सीआईआर) पेनल वर्तमान में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का चार्ज ली हुई है। एनवायरमेंटल वर्किंग ग्रुप ने पाया है कि पर्सन केयर के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट में जो 10,500 तरह के इंग्रिडियेंट मिले होते हैं उनमें से में 89% इंग्रिडियेंट को सीआईआर और एफडीए से कोई अप्रूवल नहीं मिला होता। यहां तक की इन प्रोडक्ट में मिले इन इंग्रिडियेंट को किसी भी तरह की सार्वजनिक एकाउंटेबल इंस्टिट्यूशन से भी प्रमाणित नहीं किया गया है।

फेयरनेस क्रीम्स: अब सबसे सामान्य कॉस्मेटिक के तौर पर किसी फेयरनेस क्रीम को ही लें। अब तो कई डर्माटॉलजिस्ट भी कह चुके हैं कि इन प्रोडक्ट्स में ब्लीच का इस्तेमाल किया गया होता है जिसके कारण ये इंसान को गोरा लुक प्रदान करते हैं। ये सच भी है। ज्यादा पिग्मेंटेशन की समस्या है इन क्रीम से तभी ठीक होती है जब इसमें ज्यादा कैमिकल मौजूद होते हैं। लेकिन ये केमिकल्स हमारी स्किन को अंदर तक नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसा ही शैम्पू के साथ है। केमिकल्स से भरे ये शैम्पू बालों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं।

कई प्रोडक्ट्स से होता है ब्रेस्ट कैंसर: कई कॉस्मेटिक उत्पादों से ब्रसेट् कैंसर की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। हाल ही में बर्कले की यूनीवर्सिटी ऑफ कैलोफोर्निया के एक रिसर्चर ने ये बात कही की अधिकतर कॉस्मेटिक्स में पैराबेन मौजूद होते हैं जो औरतों के शरीर के उन हार्मोन्स को एक्टिवेट कर देता है, जिनका ताल्लुक ब्रेस्ट कैंसर से होता है। इस स्टडी में इस बात की पुष्टि हुई है कि और इसे लेकर चिंता भी जाहिर की गई कि लंबे समय तक इन पैराबेन का हमारी बॉडी से कॉन्टेक्ट प्यूबर्टी और प्रेग्नेसी के दौरान नुकसान पहुंचाते हैं।

पेट के घाव भी भर जाते हैं

शक्कर से पचास गुना ज्यादा मीठी मुलेठी...

गले में खराश हो या खांसी, मुलेठी चूसने से इसमें राहत मिलती है। इसके अलावा भी मुलेठी में कई ऐसे गुण हैं, जो शायद आप पहले नहीं जानते होंगे। जानिए मुलेठी आपको किस प्रकार लाभ पहुंचा सकती है। मुलेठी बहुत गुणकारी औषधि है। मुलेठी के प्रयोग करने से न सिर्फ आमाशय के विकार बल्कि गैस्ट्रिक अल्सर के लिए फायदेमंद है। इसका पौधा 1 से 6 फुट तक होता है। यह स्वाद में मीठी होती है इसलिए इसे यष्टिमधु भी कहा जाता है। असली मुलेठी अंदर से पीली, रेशेदार एवं हल्की गंधवाली होती है। सूखने पर इसका स्वाद अम्लीय हो जाता है।

मुलेठी की जड़ को उखाड़ने के बाद दो वर्ष तक उसमें औषधीय गुण विद्यमान रहते हैं। इसका औषधि के रूप में प्रयोग बहुत पहले से होता आया है। मुलेठी पेट के रोग, सांस संबंधी रोग, स्तन रोग, योनिगत रोगों को दूर करती है। ताजी मुलेठी में पचास प्रतिशत जल होता है, जो सुखाने पर मात्र दस प्रतिशत ही शेष रह जाता है। ग्लिसराइजिक एसिड के होने के कारण इसका स्वाद साधारण शक्कर से पचास गुना अधिक मीठा होता है। आइए हम आपको मुलेठी के गुणों के बारे में बताते हैं।

मुलेठी के गुण

मुलेठी को काली-मिर्च के साथ खाने से कफ ढीला होता है। सूखी खांसी आने पर मुलेठी खाने से फायदा होता है। इससे खांसी तथा गले की सूजन ठीक होती है। अगर मुंह सूख रहा हो तो मुलेठी बहुत फायदा करती है। इसमें पानी की मात्रा 50 प्रतिशत तक होती है। मुंह सूखने पर बार-बार इसे चूसें। इससे प्यास शांत होगी। गले में खराश के लिए भी मुलेठी का प्रयोग किया जाता है। मुलेठी अच्छे स्वर के लिए भी प्रयोग की जाती है। मुलेठी महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। मुलेठी की जड़ पेट के घावों को समाप्त करती है, इससे पेट के घाव जल्दी भर

जाते हैं। पेट के घाव होने पर मुलेठी की जड़ का चूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए। मुलेठी पेट के अल्सर के लिए फायदेमंद है। इससे न केवल गैस्ट्रिक अल्सर वरन छोटी आंत के प्रारम्भिक भाग ड्यूओडनल अल्सर में भी पूरी तरह से फायदा करती है। जब मुलेठी का चूर्ण ड्यूओडनल अल्सर के अपच, हाइपर एसिडिटी आदि पर लाभदायक प्रभाव डालता है। साथ ही अल्सर के घावों को भी तेजी से भरता है। खून की उल्टियां होने पर दूध के साथ मुलेठी का चूर्ण लेने से फायदा होता है। खूनी उल्टी होने पर मधु के साथ भी इसे लिया जा सकता है। हिचकी होने पर मुलेठी के चूर्ण को शहद में मिलाकर नाक में टपकाने तथा पांच ग्राम चूर्ण को पानी के साथ खिला देने से लाभ होता है। मुलेठी आंतों की टीबी के लिए भी फायदेमंद है।

आखिर क्यों फड़कतीं है हमारी आंखें ?

कई बार अचानक हमारी आंख फड़कने लग जाती है। आंख फड़कने पर हमारे दिमाग में कई ख्याल आते है। आंख फड़कने को भारत में कई जगहों पर शुभ-अशुभ से जोड़कर कर भी देखा जाता है। कई बार तो आंख इतनी फड़कती है कि हम परेशान हो जाते है लेकिन क्या आप जानते है कि आंख क्यों फड़कती है? अगर नहीं तो हम आज आपको इसका कारण बताते है।

आंख फड़कना आम लक्षण होता है। इसमें आंखों के आस-पास की मांसपेशियां खुद संकुचित होती है, जिससे उलझन और परेशानी तो काफी होती है लेकिन कोई नुकसान नहीं होता। आंख फड़कने के कहीं कारण है आइए जानें इन कारणों के बारे में...

कैसे करें आंख फड़कना बंद

आंख फड़कना बंद करने के लिए हाइड्रेटेड बने रहें। ज्यादा से ज्यादा नींद लें। आंखों के फड़कने को रोकने के लिए आंखों की मसाज करें। पलकों को 30 सेकेण्ड्स तक झपकाएं। यदि आंखों का फड़कना एक सप्ताह से अधिक तक रहे तो आंखों के डाक्टर से मिलें।

आंख फड़कने के कारण

1. थकान और तनाव के कारण भी आंख फड़कती है। तनाव के कम करके आंख का फड़कना रोका जा सकता है। नींद न पूरी होने के कारण भी ऐसा हो सकता है।
2. शराब भी आंख फड़कने का कारण हो सकती है। अगर आप शराब का सेवन अधिक करते है तो आपको यह परेशानी हो सकती है।
3. कम रोशनी में काम करने या देर तक कम्प्यूटर पर काम करने आदि से भी ये परेशानी हो सकती है।

लौंग की चाय पीने के अद्भुत फायदे

चाय हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा है, जो कि दिन भी शुरुआत करने का एक जोरदार तरीका है। अगर आप वहीं ग्रीन टी या ब्लैक टी पी कर बोर हो चुके हैं, तो एक बार लौंग की चाय ट्राई कर के देखिए। लौंग तो हर घर के किचन में मौजूद होता है, तो अगर आपको अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर करनी है तो लौंग की चाय पीना ना भूलें। लेनिक आइये जान लेते हैं कि इसे बनाया कैसे जाता है- 1 चम्मच लौंग को दरदरा पीस लें। फिर इस पावडर को 1 कप पानी में डाल कर 5-10 मिनट तक उबालें। जब यह उबलना शुरु हो जाए तब इसमें आधा चम्मच टी पावडर मिला कर कुछ मिनटों तक पकाएं। फिर पानी को छान कर हल्का ठंडा कर के पिएं। आप इसे स्टोर कर के रेफ्रिजिरेटर में भी रख सकते हैं। मसूड़ों और दांतों के दर्द से छुटकारा दिलाए अगर मसूड़ों और दांतों में दर्द हो तो गरम लौंग की चाय से कुल्ला करें। इससे मुंह में जमे बैक्टीरिया का खात्मा होगा और झट से आराम मिलेगा। साइनस इंफेक्शन दूर करे सीने में जकड़न या साइनस की समस्या में आप 1 कप गरम लौंग की चाय को सुबह पी सकते हैं। इससे कफ साफ होता है तथा शरीर गर्म होता है।

लौंग की चाय में मैगनीशियम और विटामिन ई और के होते हैं, जो कि जो कि बैक्टीरियल इंफेक्शन से राहत दिलाते हैं। इसको पीने से शरीर का तापमान कम होता है तथा इम्यूनिटी बढ़ती है। पाचन शक्ति मजबूत बने लंच या डिनर के पहले 1 कप लौंग की चाय पीने से शरीर में खून का फ्लो अच्छा होता है तथा मुंह में लार बनने लगती है जो कि खाने को हजम करने में सहायक होती है। यह एसिडिटी और पेट के दर्द से भी आराम दिलाता है। आंत के परजीवी मारता है लौंग की चाय में **anti-inflammatory** कम्पाउंड होता है, जो शरीर से परजीवी को हटाने का काम करता है। इससे पेट दर्द तथा डायरिया ठीक होता है। गठिया दर्द ठीक करता है अगर आपको गठिया से जुड़ा दर्द है तो आप आई कोल्ड लौंग की चाय से आराम मिल सकता है। लौंग काफी पावर फुल होती है इसलिए दर्द वाले स्थान पर लौंग की चाय के पानी से दिन में 2 या 3 बार 20 मिनट के लिए सिकाई कर सकते हैं। इससे जोड़ों का दर्द, सूजन और लिगामेंट इंजुरी में लाभ मिलेगा। स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाए यह आपको कई तरह की स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाएगा। लौंग की चाय में ऐसा तेल पाया जाता है जो शरीर से टॉक्सिन निकालता है। अगर इसे किसी घाव पर ऊपर से लगाया जाए तो वह जल्दी ठीक हो जाता है। यह फंगल इंफेक्शन तथा दाद से भी छुटकारा दिलाता है।

खास देखभाल के साथ ही चाहिए संतुलित डाइट

बच्चों की डायबिटीज को कर सकते हैं मैनेज

गड़बड़ाती दिनचर्या और खान-पान की वजह से डायबिटीज यानि मधुमेह अब आम होता जा रहा है, लेकिन इस रोग ने अब अपनी गिरफ्त में बच्चों को भी लेना शुरू कर दिया है। ऐसे में बच्चों में मधुमेह का पता चलते ही पालकों को उनके स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना पड़ता है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं किस तरह से मधुमेह से ग्रस्त बच्चों का ख्याल रखें।

दर्द रहित और सुरक्षित भी...

बच्चों में डायबिटीज होने पर इंसुलिन पंप थैरेपी के जरिए उनका उपचार किया जा सकता है। ये थैरेपी दर्दरहित व सुरिक्षत है। इसे किसी भी उम्र के बच्चों को देने के लिए कहा जाता है क्योंकि इस उम्र में इंजेक्शन सही विकल्प नहीं है। इसी वजह से टाइम मैग्जीन ने इसे 2013 का सबसे बेहतरीन तकनीकी आविष्कार माना है। भारत में डायबिटीज के रोगियों में 5 फीसदी बच्चे भी शामिल हैं। पारंपरिक इंसुलिन इंजेक्शन लेने के मुकाबले ये थैरेपी ब्लड ग्लूकोज को नियंत्रित करने में मददगार होती है। यह उपकरण एक कम्प्यूटराइज्ड यंत्र है जो मोबाइल जैसा होता है और जिसमें फौरन इंसुलिन भरकर डाल दिया जाता है।

इंसुलिन से ज्यादा बेहतर...

बच्चे सुई चुभने के डर से कई बार इंजेक्शन नहीं लगवाते। इस समस्या का समाधान इंसुलिन पंप थैरेपी है। इस थैरेपी में मुख्य तौर पर इंसुलिन पंप इस्तेमाल होता है, जो एक छोटा उपकरण है। इसे बाहर से पहना जाता है या मोबाइल की तरह टांगा जा सकता है। ये रोगी के शरीर की जरूरत के अनुसार इंसुलिन की सटीक डोज देता रहता है। इंसुलिन के छोटे-छोटे लगातार डोज से रोगी का शरीर सामान्य तौर पर काम करता रहता है। इंसुलिन पंप थैरेपी ने हाइपोग्लेसिमिया यानि ब्लड शुगर में कमी को काफी हद तक कम किया है।

लिवर ट्रांसप्लांट कराने में अब नहीं ब्लड ग्रुप की चिंता

लीवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए अब एक समान ब्लड ग्रुप का डोनर होना जरुरी नहीं अगर आप भी लिवर के मरीज हैं अगर आपको भी अपने ब्लडग्रुप का डोनर नहीं मिल रहा है तो अब आप को घबराने की जरूरत नहीं, क्योंकि मेडिकल साइंस की इस सफलता से लिवर के मरीजों को फायदा होगा जो एक जैसा ब्लडग्रुप वाला डोनर न मिलने के कारण दम तोड़ देते थे।

अब 15 लाख रुपए का खर्च

पहले लिवर ट्रांसप्लांट के लिए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब इस नई तकनीक से डोनर आसानी से मिल जाता है और अब डॉक्टर्स ने अलग-अलग ब्लड ग्रुप के डोनर से भी लिवर के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट तकनीक का आविष्कार किया है। दिल्ली सरकार के लिवर एवं पित्त विज्ञान संस्थान में हाल ही में दो मरीजों को बेमेल डोनर से लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आइएलबीएस में लिवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए पहले साढ़े ग्यारह लाख रुपए खर्च करने पड़ते थे, लेकिन इस नई तकनीक के आने के कारण अब साढ़े पंद्रह लाख रुपए खर्च आएगा।

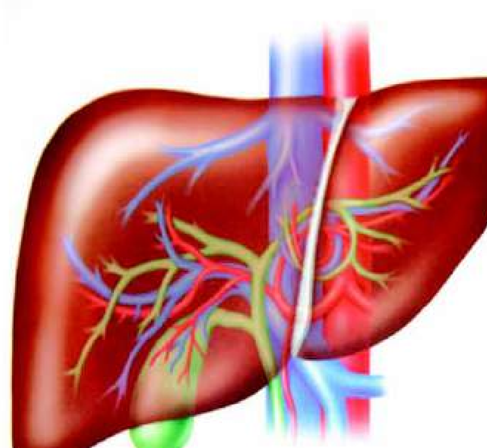

बेहतर होती है गुणवत्ता

आइएलबीएस के मुख्य लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. वी. पामेचा के अनुसार इस तकनीक से पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है और लिवर ट्रांसप्लांट करने से पहले मरीज और डोनर के रक्त में भिन्नता देखी जाती है और फिर मशीन की मदद से मरीज के रक्त को साफ किया जाता है और डोनर के रक्त की गुणवत्ता को एक तरह से बेहतर किया जाता है। इसके बाद मरीज को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती।

रेसिपी

मल्टीग्रेन ढ़ेबरा

सामग्री

1 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1 कप बाजरे का आटा, 1/4 कप ज्वार का आटा, 1 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबल-स्पून दही, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 1/2 टेबल-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** ताज़ा दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 20 भागों में बांट लें। प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच रखकर, थपथपाते हुए 50 मिमी। (2) व्यास के गोल और 1 मोटे गोल आकार में बना लें। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े ढ़ेबरे डालकर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। ताजे दही के साथ गरमा गरम परोसें।

चट-पटा पाव

सामग्री

6 लाड़ी पाव, 6 टी-स्पून मक्खन, **मसाला के लिए:** 2 टेबल-स्पून मक्खन, 3/4 कप बारीक कटा प्याज, 1/4 कप बारीक कटी शिमला मिर्च, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून काला नमक, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नींबू

विधि

मसाला के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। लहसुन, टमाटर, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 2 मिनट तक पका लें। काला नमक और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। मसाले को 6 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक नॉन-स्टिक तवे में 1 टी-स्पून मक्खन गरम करें, तैयार मसाले के एक भाग को डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। एक पाव को 2 भाग में काटें और खोलकर तवे पर रखे मसाले पर रखें। मसाले को पाव मे अच्छी तरह फैला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट या मसाले को पाव से चिपकने तक पका लें। विधी क्रमांक 1 से 3 को दोहराकर 5 और चटपटा पाव बना लें। धनिया से सजाएें और नींबू के साथ गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**